www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 136 || लखनऊ
शनिवार
15 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:37
सूर्यास्तः 06:44
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 28°00



पेज 07

विशेष समाचार
उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा... >> पेज 04
मुरादाबाद कमिश्नर आन्जनेय ... >> पेज 06
सनी देओल की बेस्ट परफॉर्मेंस ...



‘1947 कत्लेआम के कांग्रेस-सपा दोषी’

सीएम बोले- तब मोदी जैसा पीएम होता तो कोई भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाता

योगी ने सपा नेता आजम खान का बिना नाम लिए शिवपाल यादव के बयान पर पलट-वार किया। योगी ने कहा- भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के नाम पर विश्वविद्यालय बनाने वाले व्यक्ति की सपा आज पैरोकार बन रही है। सपा कह रही है कि हम आएंगे तो उसको (आजम खान को) गृहमंत्री बनाएंगे।



तमसा संकते, एजेंसी

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ में कहा- कांग्रेस और सपा जैसी पार्टियों के लोग ही 1947 के विभाजन और कत्लेआम के वास्तविक दोषी हैं। अगर उस समय नरेंद्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री होता, तो भारत का कोई बाल भी बांका नहीं कर पाता। उन्होंने कहा- देश का विभाजन इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है।

>> (शेष पेज 06 पर)

इतिहास सिर्फ परीक्षा में पढ़ने वाला विषय नहीं’

सीएम ने कहा- विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस इतिहास के उन काले अध्यायों से हमें बहुत कुछ सीखने की प्रेरणा देती है। क्योंकि, केवल उसका स्मरण भर करने से इस समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। यह समस्या क्यों पैदा हुई, किन लोगों के कारण पैदा हुई, इसके कितने दोषियों को सजा दी गई और आखिर कब तक यह हिंदुस्तान इसकी कीमत चुकाता रहेगा? यह सवाल आज भी हमारे सामने है। इसलिए इतिहास सिर्फ परीक्षा में पढ़ने वाला विषय नहीं है। यह हमें अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व करने और पुरानी गलतियों से सीखकर उन्हें सुधारने का मौका भी देता है।



‘बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम हुआ, लेकिन ये पार्टियां चुप रहीं’

स्मृति दिवस मनाने के पीछे प्रधानमंत्री की यही सोच है। जो लोग 1947 में चुप थे और उनकी नजर सिर्फ सत्ता पाने पर थी, वे आज भी उसी सोच पर चल रहे हैं। देश की कीमत पर सत्ता हासिल करना ही उनका मकसद रहा है। आपने बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम देखा होगा, ये दल तब भी मौन थे। इन्हें डर था कि बोलने से उनका वोटबैंक नाराज हो सकता है। वे अपने स्वार्थ के लिए सत्ता को निजी संपत्ति और पारिवारिक विरासत मानते हैं। इसी सोच के कारण देश के साथ धोखा करते हैं और अराजकता और अव्यवस्था फैलाते हैं।

मेरी टिप्पणी का गलत इस्तेमाल हुआ : सीजेआई

युवाओं को भटकाने की कोशिश, अदालती कार्यवाही की क्लिप वायरल करने पर चिंता जताई

कॉकरोच विवाद

तमसा संकते, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच विवाद पर चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने कहा, ‘मेरी टिप्पणी को गलत तरीके से पेश किया गया। देश के युवाओं को भटकाने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया।’ उन्होंने कहा, ‘अदालती कार्यवाही का क्लिप वायरल किया गया। जो बात कही ही नहीं गई, उसे गलत तरीके से पेश किया जाता है।’ CJI का बयान ऐसे समय आया जब कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन खत्म हो गया है और वह जंतर-मंतर



2.0 शुरू करने की योजना बना रही है। दरअसल जस्टिस सूर्यकांत के 15 मई के सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई के दौरान, फर्जी डिग्री वाले कुछ व्यक्तियों की तुलना कॉकरोच से की थी। इसके बाद अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी बनाई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ‘न्यायिक कार्यवाही में पारदर्शिता जरूरी है, लेकिन इसका व्यावसायिक फायदा नहीं उठाया जाना चाहिए। न्यायपालिका में पारदर्शिता होनी चाहिए। इसलिए हमने सुप्रीम कोर्ट में लाइव स्ट्रीमिंग शुरू की। लेकिन लाइव स्ट्रीमिंग का गलत इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।’ उन्होंने कहा, 'खास तौर पर इसका व्यावसायिक इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

इसका फायदा हमारे किसानों को होगा, स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्र के नाम संदेश दिया

सिंधु जल संधि निलंबित करना सही कदम : मुर्मू

संबोधन

तमसा संकते, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा- आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना किसानों के लिए एक निर्णायक कदम है। हम 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। नागरिक राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें। उन्होंने आगे कहा कि आज का दिन हम विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों को शरणार्थी बनना पड़ा। फिर भी उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। अब से कुछ ही घंटों बाद, हमारे देश की स्वाधीनता के 80वें वर्ष का शुभारंभ होगा। देश-विदेश में रहने वाले सभी भारतीय यह पर्व उल्लास के साथ मनाते हैं। हमारा तिरंगा हमारी स्वाधीनता का प्रतीक है। इसे हम पूरी शान से फहराते हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- न्यायिक व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह यह सुनिश्चित करे कि संसाधनों की कमी के कारण किसी को भी न्याय से वंचित न रहना पड़े। आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करना राष्ट्रीय हित में, खासकर किसानों के लिए, एक निर्णायक कदम है। विरासत और विकास के समन्वय को प्राथमिकता दी है, तथा विकास में बाधक दशकों पुराने अनेक अवरोधों को दूर किया है।



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश के नाम संबोधन दिया।

हमारा संविधान जनभागीदारी पर आधारित है

राष्ट्रपति ने कहा- आज का दिन हम विभाजन विभीषिका दिवस के रूप में मनाते हैं। सांप्रदायिक हिंसा की वजह से लाखों को शरणार्थी बनना पड़ा। फिर भी उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। हमारा संविधान जनभागीदारी पर आधारित है। उस भावना को हमारे देशवासी आगे बढ़ा रहे हैं यह हमारी लोकतंत्र की उपलब्धि है।

देशवासी स्वतंत्र भारत की नियति के निर्माता बने

द्रौपदी मुर्मू ने कहा- 15 अगस्त 1947 के दिन भारतमाता पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त हुईं। सभी देशवासी, स्वतंत्र भारत की नियति के निर्माता बने। निष्ठावान विद्यार्थी और शिक्षक, विकास के लिए तत्पर वैज्ञानिक और इंजीनियर, स्वास्थ्य सेवा में कार्यरत डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी, मेहनती श्रमिक और अन्नदाता किसान, अपने प्रयासों से राष्ट्र-निर्माण कर रहे हैं। अन्य क्षेत्रों में सक्रिय, असंख्य देशवासी, तथा संविधान में निहित, मूल कर्तव्यों का पालन करने वाले सभी नागरिक, राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। मैं उन सभी की हृदय से सराहना करती हूं।

25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाने में सफलता मिली है। विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेश की योजना प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत लगभग 59 करोड़ खाताधारक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ चुके हैं। उनमें 32 करोड़ से अधिक महिला खाताधारक शामिल हैं। 80 करोड़ लोगों के लिए निशुल्क राशन की व्यवस्था द्वारा उनकी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। ‘आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना’ के तहत 60 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपए तक की निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

एट होम रिसेप्शन में आएंगे 650 गेस्ट, 100 वीवीआईपी

राष्ट्रपति भवन में होने वाले एट होम रिसेप्शन का आयोजन अमृत उद्यान परिसर में होगा। इवेंट में करीब 650 मेहमानों को बुलाया गया है। इसमें से 100 वीवीआईपी गेस्ट होंगे।

इस बार खास क्या है: इस साल के आयोजन में चार राज्यों महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विरासत को प्रमुखता दी गई है। थीम में संस्कृति, समुदाय और प्रकृति के बीच संबंध और पर्यावरण संरक्षण पर जोर है।

मेहमानों के स्वागत की खास व्यवस्था: रिसेप्शन के मेहमानों को हाथ से बुना महेश्वरी स्टोल पहनाकर स्वागत किया जाएगा। इसे मध्य प्रदेश के महेश्वर में तैयार किया गया है और इसमें चारों राज्यों की पारंपरिक बुनाई के मोटिफ शामिल हैं।

खाने में क्या होगा: यह भी इस साल की थीम के अनुरूप क्षेत्रीय व्यंजनों पर आधारित है। रिपोर्ट्स के अनुसार मेन्यू कोंकण का पाटोलेओ, छत्तीसगढ़ का मिनी फरा, महाराष्ट्र का खामंग काकड़ी और मध्य प्रदेश से जबलपुर की गटपट को शामिल किया गया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम: रिसेप्शन में चारों राज्यों की लोक एवं पारंपरिक कलाओं की प्रस्तुतियां होंगी। इनमें गेड़ी नृत्य, गौर माड़िया, लावणी, तुतारी, सोंगी मुखौटे, मगोरिया, बैगा करमा, समई और घोड़े मोड़नी जैसी प्रस्तुतियां शामिल की जा रही हैं।

मुर्मू बोलीं- हमारी विदेश नीति, देश हित पर आधारित है

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- आर्थिक सहयोग बढ़ाने तथा पारस्परिक सम्बन्धों को और प्रगाढ़ बनाने के लिए, हमने अनेक देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स किए हैं। ग्लोबल साउथ के देशों में हम अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। विश्व पटल पर हमारे देश का सम्मान बढ़ा है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि हमारे किसी भी कार्य से, आने वाली पीढ़ियों द्वारा इस अधिकार के प्रयोग में तनिक भी कमी न हो। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम उनको और अधिक समृद्ध प्राकृतिक संपदाएं प्रदान करें। पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी आस्था हमारी परंपरा का हिस्सा है।



देश की कुल आबादी में 65% लोगों की आयु 35 साल से कम है। केवल 28 साल की औसत आयु वाली युवा टीम ने हाल ही में रॉकेट का सफल प्रक्षेपण करके स्पेस इन्वेस्टिगेशन के नए चरण का आरंभ किया है।

द्रौपदी मुर्मू
राष्ट्रपति

पिछले एक दशक में देश ने तेज गति से विकास किया

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा- अपनी समृद्ध विरासत और स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों को अपनाते हुए हम आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर हैं। ‘वयं राष्ट्रे जागृयाम’, यह वेद-वाक्य हमें प्रेरणा देता है कि हम राष्ट्र के लिए सदैव जागरूक रहें। पिछले एक दशक से कुछ अधिक समय में हमारे देश ने तेज गति से समावेशी विकास किया है।

फास्ट न्यूज

भारत की सहनशीलता को कमजोरी न समझें : डोभाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने कहा कि भारत की उदारता और सहनशीलता को कमजोरी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत जोखिम उठा सकता है और नतीजों की परवाह किए बिना कड़ा प्रहार कर सकता है। डोभाल ने यह बात डिस्कवरी की आने वाली डॉक्यूमेंट्री सीरीज ‘डिक्लासिफाइड : ऑपरेशन सिंदूर’ में कही है।

विदेशी नेताओं पर टिप्पणी पर एमईए की नसीहत

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने विदेशी नेताओं से संबंधित राजनीतिक टिप्पणियों में संयम और सम्मान बरतने का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत के इटली के साथ मजबूत संबंध हैं और वह इन संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। जायसवाल ने किसी का नाम नहीं लिया। लेकिन, उनका इशारा राहुल गांधी की तरह हो सकता है क्योंकि, एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर कटाक्ष किया था। गुरुवार को दिल्ली में हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय सम्मेलन में राहुल गांधी ने कहा था।

अवकाश की सूचना

15 अगस्त 2026, शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर ‘तमसा संकेत’ के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, समाचार पत्र वितरक बंधुओं एवं समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

15 अगस्त 2026, शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व के कारण ‘तमसा संकेत’ कार्यालय बंद रहेगा। अतः अगला अंक 17 अगस्त 2026, सोमवार को प्रकाशित होगा।
— संपादक

आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति पूछी जाएगी

कोविड वैक्सीन कहां लगवाई, कितने बैंक अकाउंट जैसे 40 सवाल पूछेंगे

जातिगणना

तमसा संकते, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जनगणना-2027 के लिए 40 सवालों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें लोगों से SC, ST या अन्य जाति के बारे में पूछा जाएगा। आजादी के बाद यह पहली बार होगा जब सभी समुदायों की जाति की जानकारी जनगणना में दर्ज की जाएगी। इससे पहले 2011 की जनगणना के फॉर्म में 29 सवाल थे। इसमें जाति से जुड़ी जानकारी के लिए सिर्फ SC/ST का विकल्प था। जनगणना-2027 के सवालों की लिस्ट में जाति से जुड़ा सवाल नंबर 10 पर है, जिसमें SC/ST के साथ जाति शब्द भी जोड़ा गया है। खास बात यह है कि लोगों से



कोविड वैक्सीन कहां लगवाई थी, यह सवाल भी पूछा जाएगा। इसके साथ मोबाइल नंबर, आधार, वोटर ID और बैंक अकाउंट से जुड़े सवाल भी होंगे जनगणना में व्यक्ति का नाम, परिवार के मुखिया से संबंध, लिंग, जन्मतिथि और उम्र पूछी जाएगी। साथ ही वैवाहिक स्थिति, शादी के समय उम्र, पति या पत्नी का नाम, राष्ट्रीयता, धर्म और SC/ST/जाति की जानकारी ली जाएगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

मंजूरी : 13 मरणोपरांत पुरस्कार भी, 1 जवान को शौर्य चक्र और 5 को दोबारा सेना मेडल

78 गैलेंट्री अवॉर्ड का ऐलान, इस बार 19 शौर्य चक्र

तमसा संकते, एजेंसी

राष्ट्रपति की ओर से मंजूर किए गए 78 वीरता पुरस्कारों में 13 मरणोपरांत पुरस्कार शामिल हैं। ये सम्मान उन जवानों के साहस और सर्वोच्च बलिदान को मान्यता देते हैं, जिन्होंने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए असाधारण वीरता दिखाई। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर वीरता पुरस्कारों की घोषणा देश की सुरक्षा में योगदान देने वाले सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों के साहस, महत्वपूर्ण परंपरा का हिस्सा है।

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस 2026 की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) के जवानों के लिए 78 वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी है। इन पुरस्कारों में 13 मरणोपरांत वीरता सम्मान भी शामिल हैं। वीरता पुरस्कारों की सूची में सेना के जवानों के साथ एक आर्मी डॉग का नाम भी शामिल है, जिसने अभियान के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजपूताना राइफल्स के मेजर आदित्य प्रताप सिंह को शौर्य चक्र में बार प्रदान किया गया है।



वीरता पुरस्कारों की लिस्ट

- 9 कीर्ति चक्र, इनमें 7 मरणोपरांत
- 1 शौर्य चक्र के लिए बार
- 19 शौर्य चक्र, इनमें 1 मरणोपरांत
- 36 सेना मेडल (वीरता), इनमें 5 मरणोपरांत, इनमें 5 बार
- 3 नौसेना मेडल (वीरता)
- 5 वायु सेना मेडल (वीरता)

वीरता पुरस्कारों में बार शब्द का मतलब क्या है

गैलेंट्री अवॉर्ड्स में बार शब्द का मतलब एक ही वीरता पुरस्कार उसी व्यक्ति को दोबारा मिलना होता है। यानी विजेता को दोबारा की गई वीरता के लिए मूल पदक के साथ अलग से मान्यता दी जाती है। मान लीजिए किसी सैन्य अधिकारी को शौर्य चक्र मिला। बाद में उसने फिर असाधारण वीरता दिखाई, जिसके लिए उसे दोबारा शौर्य चक्र दिए जाने की पात्रता बनती है।

क्या होता है शौर्य चक्र में ‘बार’?

किसी सैन्यकर्मी को पहले से प्राप्त वीरता पुरस्कार के लिए दोबारा उसी स्तर का वीरता सम्मान मिलने पर उसे अलग से दूसरा पदक नहीं दिया जाता। इसके बजाय मूल पदक के साथ ‘बार’ प्रदान किया जाता है। मेजर आदित्य प्रताप सिंह के मामले में भी उन्हें पहले शौर्य चक्र मिल चुका है।

आरजी कर केस में गिरफ्तार पूर्व टीएमसी विधायक पर हमला

भीड़ ने पीटा, जूते-अंडे फेंके, जल्दबाजी में डॉक्टर का अंतिम संस्कार कराने का आरोप

कार्यवाई

तमसा संकते, एजेंसी

परगना। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल की डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में गिरफ्तार पूर्व TMC विधायक निर्मल घोष पर शुक्रवार को भीड़ ने हमला किया। पुलिस उन्हें नॉर्थ 24 परगना जिले के खरदह थाने से बैरकपुर कोर्ट ले जा रही थी। इसी दौरान भीड़ ने उन्हें घेरकर लात-घूंसों से पीटा। लोगों ने जूते-चप्पल, अंडे और कीचड़ भी फेंका। दूसरे आरोपी संजीब मुखर्जी को भी भीड़ के गुस्से का सामना करना पड़ा। पुलिस और RAF के जवानों ने उनके सिर पर हेलमेट लगा दिया। इसके बावजूद निर्मल घोष के कपड़ों पर कीचड़ और अंडे के निशान दिखे। बैरकपुर कोर्ट



पूर्व टीएमसी विधायक निर्मल घोष के थाने के बाहर आते ही भीड़ ने उन्हें घेर लिया।

पहुंचने पर भी लोगों ने ‘चोर-चोर’ के नारे लगाए। पुलिस ने दोनों आरोपी को कोर्ट लॉकअप में पहुंचाया। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 9 अगस्त 2024 को ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था।

>> (शेष पेज 06 पर)

पनीर में मिलावट के खिलाफ बड़ा अभियान

कार्रवाई

गाजियाबाद, मथुरा और सहारनपुर में 24 विशेष टीमों की छापेमारी

विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान विभागीय टीमों ने कुल 72 खाद्य नमूने एकत्र किए। इन नमूनों को आवश्यक जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित इकाइयों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश में दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थों, विशेष रूप से पनीर की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बड़े स्तर पर विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। प्राप्त अभिसूचना और जनहित को ध्यान में रखते हुए आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रदेश स्तरीय 24 विशेष प्रवर्तन टीमों का गठन किया गया। इन टीमों ने गाजियाबाद, मथुरा और सहारनपुर की प्रमुख दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थ निर्माण इकाइयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। अभियान के दौरान कुल 25 विनिर्माण इकाइयों पर कार्रवाई की गई, जबकि 3 इकाइयां नॉन-ऑपरेशनल पाई गईं। कार्रवाई के दौरान पनीर निर्माण में औद्योगिक प्रयोगार्थ रसायनों तथा पामोलिन ऑयल/रिफाइंड वेजिटेबल ऑयल के प्रयोग के साथ अस्वास्थ्यकर एवं अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों के निर्माण के मामले सामने आए। खाद्य पदार्थों के निर्माण में अस्वच्छ एवं अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने संबंधित इकाइयों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की और संदिग्ध सामग्री को जब्त अथवा नष्ट कराया। प्रवर्तन अभियान के दौरान गंभीर अनियमितताओं के मामलों में कुल छह FIR दर्ज कराई गईं। इनमें पनीर निर्माण में औद्योगिक रसायनों तथा पामोलिन ऑयल/रिफाइंड वेजिटेबल ऑयल के प्रयोग और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में खाद्य पदार्थ तैयार करने से संबंधित पांच प्रकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त विभागीय अधिकारियों को सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में एक FIR दर्ज कराई गई। विभागीय विवरण के अनुसार गाजियाबाद में तीन तथा मथुरा में दो प्रकरणों में FIR दर्ज की गई है, जबकि सहारनपुर में भी कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर लगातार निगरानी और प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। विशेष रूप से पनीर जैसे व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थों में मिलावट और अस्वच्छ निर्माण पर विभाग की टीमें नजर रख रही हैं। विभाग का उद्देश्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ ही उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और हितों की रक्षा करना है।





72 नमूने लिए गए, करीब 10 लाख रुपये की 7,686 किलो खाद्य सामग्री नष्ट

7,686 किलो खाद्य सामग्री नष्ट

निरीक्षण के दौरान अस्वास्थ्यकर एवं अस्वच्छ परिस्थितियों में निर्मित पाई गई बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट कराया गया। विभाग के अनुसार कुल 7,686 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये है। इसके अलावा 2,131 किलोग्राम खाद्य सामग्री एवं अपमिश्रक जब्त किए गए। जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य करीब 4.75 लाख रुपये है। इस प्रकार अभियान में कुल 9,817 किलोग्राम खाद्य सामग्री एवं अपमिश्रकों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

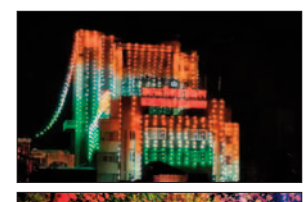
पनीर में औद्योगिक रसायन और खाद्य तेल के इस्तेमाल पर सख्ती

अभियान के दौरान विभागीय टीमों ने पनीर निर्माण की प्रक्रिया, इस्तेमाल किए जा रहे कच्चे माल और निर्माण स्थलों की स्वच्छता की जांच की। कार्रवाई में ऐसे मामले सामने आए, जिनमें पनीर के निर्माण में औद्योगिक प्रयोगार्थ रसायनों तथा पामोलिन ऑयल/रिफाइंड वेजिटेबल ऑयल के इस्तेमाल की बात सामने आई।

विधानभवन, हजरतगंज तिरंगे के रंग में रंगा

लखनऊ में प्रमुख चौराहे और इमारतें भी सजाई गईं









तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । आजादी के पर्व को मनाने से पहले लखनऊ तीन रंगों की रोशनी से नहाया हुआ है। तिरंगा लाइट्स से शहर की इमारतें और सड़कें सराबोर हैं। रोशनी की सजावट लोगों को आकर्षित कर रही है। यही वजह है कि इन नजारों को लोग अपने मोबाइल फोन के कैमरों में कैद कर रहे हैं।

शाम ढलते ही केसरिया, सफेद और हरे रंग की रोशनी से जगमगाते प्रमुख स्थल शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहे हैं। विधानसभा, लोकभवन, जनभवन, सीएम आवास, हजरतगंज, 1090 चौराहा, गोमतीनगर समेत शहर के विभिन्न इलाके जगमगा रहे हैं। प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों के साथ सड़क किनारे पेड़ों पर आकर्षक लाइटिंग के साथ तिरंगे झंडे लगाए गए हैं।

फास्ट न्यूज

पत्नी ने तवा मारकर पति की हत्या की

लखनऊ। लखनऊ के जानकीपुरम में गुरुवार शाम 5 बजे घरेलू विवाद में पत्नी ने तवे से हमला कर पति की हत्या कर दी। पीजीआई के तेलीबाग स्थित कल्ली पश्चिम निवासी ऑटो चालक आशीष (40) अपनी पांच साल की बेटी से मिलने पत्नी तपस्या के घर पहुंचा था। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर तपस्या ने तवे से आशीष के सिर पर कई वार कर दिए। सिर में गंभीर चोट लगने से आशीष खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा।

ब्रजेश पाठक ने मोबाइल हेल्थ यूनिट्स को किया फ्लैग ऑफ

लखनऊ। यूपी के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए शुक्रवार को मोबाइल हेल्थ यूनिट्स की शुरुआत की गई। स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन, उत्तर प्रदेश शासन और पीडी हिंदुजा हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर के संयुक्त आयोजन में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने हिंदुजा मोबाइल हेल्थ यूनिट्स को फ्लैग ऑफ किया। उन्होंने 'सेविंग लाइव्स एंड बिल्डिंग ए हेल्थियर भारत' राष्ट्रीय अभियान की भी शुरुआत की। ब्रजेश पाठक ने कहा कि इसके तहत महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

लखनऊ में होर्डिंग लगाते समय करंट से युवक की मौत

सरोजनी नगर। लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक मजदूर की होर्डिंग लगाते समय करंट लगने से मौत हो गई। वह खंभे से नीचे गिर गया और अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के मऊ गांव निवासी आशीष गौतम उर्फ छोटू (35) के रूप में हुई है।

राहुल गांधी के खिलाफ सावरकर मानहानि केस रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जरूरी मंजूरी नहीं ली गई थी

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का एक मामला रद्द कर दिया। केस वीर सावरकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने और समाज में नफरत फैलाने के आरोपों से जुड़ा था।

यूपी सरकार की तरफ से कोर्ट को बताया गया कि मामले में राहुल गांधी पर मुकदमा चलाने की आधिकारिक मंजूरी नहीं ली गई थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि जब कानूनी मंजूरी ही नहीं है, तो मामला यहीं खत्म हो जाता है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की पीठ ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा-सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे में एडिशनल सॉलिसिटर जनरल और शिकायतकर्ता के वकील ने माना है कि इस मामले में जरूरी मंजूरी नहीं ली गई थी। ऐसी स्थिति में शिकायत और मजिस्ट्रेट की तरफ से जारी सभी आदेशों को खारिज किया जाता है।

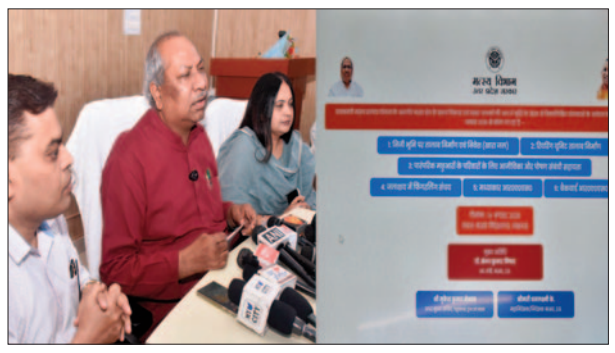
विवाद राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान दिए गए एक भाषण से जुड़ा है। 17 नवंबर 2022 को महाराष्ट्र के अकोला जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने सावरकर के खिलाफ टिप्पणियां की थीं। इसके बाद वकील नृपेंद्र पांडेय ने उनके खिलाफ एक निजी आपराधिक शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि राहुल ने जानबूझकर सावरकर का अपमान किया।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना : विभागीय पोर्टल 14 से 24 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन के लिए खुला रहेगा

विभिन्न परियोजनाओं हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने आज यहां मत्स्य निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में बताया कि भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की अवधि सितंबर 2026 तक बढ़ाई गई है। योजना के अंतर्गत उपलब्ध अवशेष लक्ष्यों के सापेक्ष पात्र लाभार्थियों को लाभ प्रदान करने के लिए विभागीय पोर्टल 14 अगस्त से 24 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन के लिए खोला जा रहा है। योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं का विस्तृत विवरण, इकाई लागत, पात्रता, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आवश्यक अभिलेख तथा अन्य संबंधित जानकारी विभागीय पोर्टल http://fisheries.up.gov.in पर उपलब्ध है। इच्छुक एवं पात्र लाभार्थी निर्धारित अवधि में पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।



योजना के अंतर्गत 06 परियोजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे, जिनमें बड़े क्षेत्र में तालाब निर्माण एवं निवेश-33.93 हेक्टेयर (सामान्य, महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग), मध्य आकार आरएएस (RAS)-03 यूनिट (सामान्य वर्ग), रियरिंग यूनिट का निर्माण-22.667 हेक्टेयर (महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग), बैकयार्ड आरएएस-241 यूनिट (महिला वर्ग), जलाशयों में मत्स्य अंगुलिका संचय-65,000 अंगुलिकाएं (सामान्य, महिला एवं अनुसूचित जाति वर्ग) तथा पारंपरिक मछुआरा परिवारों के लिए आजीविका एवं पोषण संबंधी सहायता-500 यूनिट हैं।

मत्स्य विकास मंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि, जल संसाधनों का बेहतर उपयोग, मत्स्य पालकों की आय में बढ़ोतरी तथा पारंपरिक मछुआरा परिवारों की आजीविका को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी। आधुनिक तकनीक आधारित मत्स्य पालन को बढ़ावा मिलने से प्रदेश में मत्स्य क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी योजना से जुड़े

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए मत्स्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश में मत्स्य विकास की अपार संभावनाओं को देखते हुए उपलब्ध जल संसाधनों का वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण से समुचित उपयोग सुनिश्चित करने तथा मत्स्य पालकों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के समस्त जनपदों में आवेदन अवधि के दौरान योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभार्थी योजना से जुड़ सकें।

अपाचे मोटरसाइकिल और लकड़ी का डंडा बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

जनसेवा केंद्र संचालक से लूट का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ । गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में जनसेवा केंद्र संचालक से हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सर्विलांस सेल जोन दक्षिणी और थाना गोसाईगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपियों के कब्जे से 1.50 लाख रुपये नकद, लूट के पैसों से खरीदे गए आईफोन 12 प्रो और ओप्पो एफ-33 मोबाइल, पीड़ित के आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस समेत वारदात में इस्तेमाल की गई अपाचे मोटरसाइकिल और लकड़ी का डंडा बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, 6 अगस्त को महुराकला से महुराखुर्द के बीच मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने राहुल कुमार को रोककर डंडे से हमला किया और उनका बैग लूटकर फरार हो गए थे। मामले में 8 अगस्त को गोसाईगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने पांच टीमें गठित की थीं। टीमों ने करीब 150 से 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाए। जांच के आधार पर पुलिस ने 14 अगस्त की रात चार आरोपियों अरुण कुमार उर्फ गोल्डी, शिवा, चंचल यादव उर्फ लाला और शुभम रावत को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें जानकारी थी कि राहुल कुमार जनसेवा केंद्र का संचालन करते हैं और रात में दुकान बंद करने के बाद बड़ी मात्रा में नकदी लेकर अकेले घर जाते हैं। इसके बाद आरोपियों ने रेकी कर लूट की योजना बनाई। घटना के दिन

पुलिस ने घटना के संबंध में दर्ज मुकदमे में संबंधित धाराओं में कार्रवाई की है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को उनके सराहनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र और 15 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई है।

पुलिस के अनुसार, लूट की रकम से आरोपियों ने मोबाइल फोन खरीदे और अलग-अलग होटलों में पार्टी भी की। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

दुकान में घुसकर युवक ने महिलाओं के सामने उतारे कपड़े

लखनऊ। लखनऊ में मड़ियांव के फैजुल्लागंज इलाके में जनरल स्टोर की दुकान में घुसकर एक युवक ने महिलाओं के सामने अश्लील हरकत की। आरोप है कि युवक पुराने हिसाब-किताब को लेकर दुकान पर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर वह जबरन दुकान में घुस गया और महिलाओं के सामने कपड़े उतार दिए। घटना दुकान में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। जिसका वीडियो अब सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, प्रीति नगर फैजुल्लागंज में महिला किराए पर जनरल स्टोर की दुकान चलाती है। महिला का आरोप है कि ढुढोली निवासी मोंटू गुप्ता पुराने लेनदेन को लेकर गुरुवार को दुकान पर आया था। बातचीत के दौरान वह गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी जबरन दुकान के अंदर घुस गया।

मानूसन फिर एक्टिव, 3 दिन बारिश का येलो अलर्ट

यूपी-टी20 लीग को लेकर इकाना में पिच कवर्ड

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। लखनऊ में एक बार फिर से मानसून एक्टिव हो गया है। शुक्रवार को अलग-अलग इलाके में रुक-रुककर बारिश हुई। शाम करीब 4 बजे चारबाग और हजरतगंज इलाके में झमाझम बारिश हुई। शाम करीब 5:30 बजे पारा और रहीमाबाद में मूसलाधार बरसात हुई। मौसम विभाग ने बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। इकाना स्टेडियम में UP-T20 लीग का आगाज होना है। बारिश की वजह से पिच कवर्ड की गई है। अगले 3 दिन (14, 15, 16 अगस्त) को बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के आसपास दर्ज हो सकता है। गुरुवार को 36.5 डिग्री के साथ तापमान सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.2 डिग्री अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 91 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 60 फीसदी रही। गुरुवार को सुबह से दोपहर बाद तक उमस और तेज धूप से लोग परेशान रहे, लेकिन शाम होते-होते कई इलाकों में मौसम बदल गया था। लखनऊ के चारबाग में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इकाना स्टेडियम में आज शाम को UP-T20 लीग का आगाज होना है।

कार्यक्रम : ऑनलाइन पर्यवेक्षण के लिए वेब कैमरा, माइक्रोफोन और हाईस्पीड इंटरनेट की व्यवस्था

'उन्नति' से शिक्षकों को मजबूत करेगी योगी सरकार

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। शिक्षक प्रशिक्षण को कितना प्रभावी बनाया जाए कि उसका वास्तविक लाभ शिक्षक की तैयारी और बच्चों की सीख तक पहुंचे? इसी सवाल को केंद्र में रखते हुए योगी सरकार ने शिक्षक क्षमता-विकास को तकनीक आधारित निगरानी और अकादमिक गुणवत्ता से जोड़ते हुए 'उन्नति' के माध्यम से प्रशिक्षण व्यवस्था को नई दिशा दी है। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार का लक्ष्य शिक्षक प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाकर उसकी गुणवत्ता का सीधा लाभ बच्चों की सीख तक पहुंचाना है। 'उन्नति' के माध्यम से प्रशिक्षण की ऑनलाइन निगरानी को मजबूत किया जा रहा है, जिससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता और शिक्षक की क्षमता दोनों बेहतर होंगी। 'उन्नति' के माध्यम से प्रशिक्षण की ऑनलाइन निगरानी की जा रही है, ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर लगातार नजर रखी जा सके और प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त शैक्षणिक समझ एवं प्रभावी शिक्षण पद्धतियां अगले स्तर तक पहुंचते समय कमजोर न पड़ें। एफएलएन और एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों की अकादमिक क्षमता को मजबूत किया जा रहा है। 'उन्नति' (यूनिफाइड नेटवर्क फॉर नर्चरिंग एकेडमिक ट्रेनिंग एंड इनोवेशंस) शिक्षक प्रशिक्षण को मजबूत करने वाली ऑनलाइन पर्यवेक्षण व्यवस्था है। इसका उद्देश्य प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी बनाना और कैस्केड लॉस को न्यूनतम करना है, ताकि प्रशिक्षण की मूल विषयवस्तु, शैक्षणिक समझ और प्रभावी शिक्षण पद्धतियां एक स्तर से दूसरे स्तर तक पहुंचते समय कमजोर न पड़ें।

प्रत्येक बैच के लिए अलग प्रशिक्षण लिंक, बीईओ करेंगे समन्वय

- एफएलएन और एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों पर आधारित पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण को बनाया जा रहा अधिक प्रभावी
- 'उन्नति' (यूएनएनएटीआई) के माध्यम से ऑनलाइन पर्यवेक्षण से प्रशिक्षण में कैस्केड लॉस को किया जाएगा न्यूनतम
- प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षामित्रों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जा रहा है संचालित

एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान

प्रशिक्षण में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएलएन) को मजबूत करने के साथ एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों को बच्चों के सीखने के स्तर और कक्षा की जरूरत के अनुरूप पाठ्यवस्तु को गतिविधियों एवं प्रभावी शिक्षण प्रक्रियाओं से जोड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है।

प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए राज्य परियोजना कार्यालय के अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं कंसल्टेंट्स द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन पर्यवेक्षण किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक प्रशिक्षण हॉल में हाई-रिजॉल्यूशन वेब कैमरा, माइक्रोफोन/साउंड सिस्टम तथा हाई-स्पीड इंटरनेट की व्यवस्था अनिवार्य की गई है।

महिला को पीट-पीटकर हत्या

परिजन बोले- जमीनी विवाद में रास्ते में घेरकर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी





बाजार से लौटते समय रास्ते में रोककर पीटने का आरोप

लखनऊ । लखनऊ में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल महिला की मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि महिला बाजार से घर लौट रही थी। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने उसे रास्ते में रोक लिया और लाठी-डंडों व लात-घूंसों से मारपीट की। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई। महिला की मौत के बाद गांव में तनाव का माहौल है। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और एहतियातन अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

परिजनों के अनुसार, शुक्रवार दोपहर शंकुतला की तबीयत अचानक ज्यादा बिगड़ गई। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

मामला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर बीकेटी थाना क्षेत्र के डिंगुरपुर गांव का है। मृतका की पहचान शंकुतला (35) के रूप में हुई है। वह अपने पति विजय कुमार (40) और दो बच्चों 13 वर्षीय अरुण और 9 वर्षीय पल्ली के साथ रहती थीं। परिवार मजदूरी करता है।

परिजनों के मुताबिक, 3 अगस्त को शंकुतला बाजार से अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान गाजीपुर गांव के पास कुछ लोगों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि करीब आधा दर्जन लोगों ने शंकुतला और उनके पति के साथ लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट की। घटना में कई लोग घायल हुए थे। शंकुतला को गंभीर चोटें आई थीं। परिजनों का आरोप है कि मारपीट करने वाले लोगों ने घटना के बाद उन्हें धमकी भी दी। शंकुतला की हालत लगातार बिगड़ती गई और उनका इलाज चल रहा था।

अराजक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की मांग

सुरसा में हिंदू देवी-देवताओं पर अमर्यादित टिप्पणियों के खिलाफ प्रदर्शन

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जिले के सुरसा क्षेत्र में हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ कथित अमर्यादित टिप्पणियों के विरोध में शुक्रवार को सनातन समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। दोपहर करीब एक बजे ब्लॉक सभागार सुरसा से शुरू हुआ प्रदर्शन ब्लॉक परिसर होते हुए थाना परिसर तक पहुंचा। भाजपा नेता धनंजय मिश्र के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन में शामिल हुए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने धार्मिक आस्था और संस्कृति के अपमान को लेकर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस-प्रशासन से मामले में जल्द कार्रवाई करने और धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों



की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यदि मामले में संलिप्त लोगों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो समाज की ओर से बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की। प्रदर्शन में शैशव त्रिपाठी, श्याम जी मिश्रा, संजय सिंह, ज्ञानू द्विवेदी, मुकेश अवस्थी, सुमित सिंह, पुरुषोत्तम सिंह और विजेन्द्र सिंह समेत कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: धनंजय मिश्र

उन्होंने सरकार और स्थानीय प्रशासन से मांग की कि धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले लोगों को चिन्हित किया जाए और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। धनंजय मिश्र ने ऐसे मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) जैसी कड़ी धाराओं के तहत कार्रवाई की मांग भी उठाई। प्रदर्शन के बाद भाजपा नेता और अन्य लोगों ने थाना परिसर पहुंचकर थानाध्यक्ष विश्वास शर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली टिप्पणियों के मामले में संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की गई।

सुरक्षा को लेकर पुलिस बल रहा तैनात

प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। ब्लॉक परिसर से लेकर थाना क्षेत्र तक भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन के दौरान स्थिति पर नजर बनाए रखी और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

भाजपा नेता धनंजय मिश्र ने कहा कि हिंदू देवी-देवताओं और धार्मिक आस्था के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों पर प्रभावी कार्रवाई जरूरी है।

एमआईईटी पब्लिक स्कूल की तीनों शाखाओं में हर्षोल्लास से मना स्वतंत्रता दिवस समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी पब्लिक स्कूल की जागृति विहार, पल्लव-पुरम और मवाना रोड शाखाओं में स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक और गतिविधि आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से देश के प्रति अपने प्रेम, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को अभिव्यक्त किया। समारोह में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने पूरे वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। स्कूल परिसर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए बच्चों को स्वतंत्रता संग्राम, स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के बारे में जानकारी दी गई। स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत नन्हे विद्यार्थियों ने देशभक्ति रैली में उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने



राष्ट्रप्रेम, एकता और देश के प्रति सम्मान का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान कई विद्यार्थी स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा में नजर आए। बच्चों ने महान स्वतंत्रता सेनानियों के व्यक्तित्व, उनके संघर्ष और देश के लिए दिए गए योगदान को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया। इन गतिविधियों के जरिए विद्यार्थियों को देश के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास से जोड़ने का प्रयास किया गया। बच्चों ने उत्साह के साथ अपने-अपने पात्रों को प्रस्तुत किया और उनके योगदान के बारे में जानकारी भी साझा की। स्कूल की कक्षाओं में चित्रकला, कहानी-कथन समेत कई रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम और वीर स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से परिचित कराया गया। चित्रकला के जरिए बच्चों ने तिरंगे, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रप्रेम से जुड़े विभिन्न चित्र बनाए। वहीं कहानी-कथन गतिविधि में विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े प्रसंग प्रस्तुत किए। कार्यक्रमों का आयोजन जागृति विहार शाखा की प्रधानाचार्य डॉ. सिल्की वर्मा, पल्लवपुरम शाखा की प्रिंसिपल श्रीमती नवनीत चड्ढा तथा मवाना रोड शाखा की प्रधानाचार्य डॉ. रूपाली सहगल के मार्गदर्शन में किया गया। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति के साथ-साथ साहस, एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

फास्ट न्यूज

करंट लगने से किशोर की मौत

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद में करंट लगने से 12 साल किशोर की मौत हो गई। बासित नगर मार्ग पर हुई इस घटना में लकी पुत्र पप्पू की जान चली गई, जो अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। हादसा गुरुवार रात करीब 9 बजे बजे हुआ। मोमोज खाने के बाद वह बासित नगर मार्ग स्थित बसंत गुप्ता की मोबाइल रिपेयरिंग दुकान के बाहर बनी टीनशेड के नीचे अन्य बच्चों के साथ खेलने लगा।

छात्रों ने राजाराव रामबख्श सिंह बलिदान स्थल देखा

उन्नाव। उन्नाव के बीघापुर में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर एमएम पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने तिरंगा यात्रा निकाली। शुक्रवार को गौरी गांव स्थित स्कूल से निकली यात्रा बक्सर स्थित अमर शहीद राजा राव रामबख्श सिंह के बलिदान स्थल तक पहुंची। इस दौरान 'भारत माता की जय' और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। स्कूल के छात्रों को बक्सर स्थित अमर शहीद राजा राव रामबख्श सिंह के बलिदान स्थल का भ्रमण कराया गया। विद्यार्थियों ने शहीद की प्रतिमा पर माथा टेककर श्रद्धांजलि अर्पित की और देश की आजादी के लिए उनके बलिदान को याद किया।

खड़ी ओमिनी कार में लगी आग

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर-मियागंज मुख्य मार्ग पर शुक्रवार सुबह सड़क किनारे खड़ी एक ओमिनी कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार से आग की तेज लपटें उठने लगीं, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ओमिनी कार सड़क किनारे खड़ी थी।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर कार्यक्रम

उन्नाव में मौन जुलूस, बुजुर्गों का सम्मान और प्रदर्शनी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में शुक्रवार को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर भाजपा द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों में शहीद गुलाब सिंह लोधी पार्क में स्वच्छता अभियान और माल्यार्पण शामिल था। इसके बाद गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में चित्र प्रदर्शनी, संगोष्ठी और मौन जुलूस निकाला गया। कार्यक्रम की शुरुआत गदनखेड़ा स्थित शहीद गुलाब सिंह लोधी पार्क से हुई, जहां मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, सांसद डॉ. स्वामी साक्षी महाराज, भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी और सदर विधायक पंकज गुप्ता सहित अन्य



जनप्रतिनिधियों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्क में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश भी दिया। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में 1947 के विभाजन पर आधारित एक चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस प्रदर्शनी में विभाजन के दौरान हुए नरसंहार, विस्थापन, पलायन और शरणार्थी परिवारों के संघर्ष को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया था, जिसने लोगों को उस भयावह दौर की याद दिलाई। कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा विभाजन की त्रासदी झेल चुके सिख समाज के बुजुर्गों का सम्मान था। सरदार जसबीर सिंह, सरदार इंदरजीत सिंह अरोड़ा, सरदार सतवंत सिंह और श्रीमती शीलवंती तनेजा को संतोष सिंह और सांसद साक्षी महाराज ने शॉल व अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। इस दौरान सभागार में मौजूद सभी लोगों ने विभाजन में जान गंवाने वाले लाखों लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

डीएम ने असंतुष्ट शिकायतकर्ताओं के कारण की कार्रवाई, एक सप्ताह में जवाब मांगा

आईजीआरएस में लापरवाही, उन्नाव के 23 अधिकारियों का वेतन रोका

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने शासन की समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली (IGRS) में लापरवाही बरतने पर बड़ी कार्रवाई की है। जिले के 23 अधिकारियों का वेतन अग्रिम आदेशों तक रोक दिया गया है। उनसे स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। शुक्रवार दोपहर समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि शिकाय-तकर्ता असंतुष्ट थे और शिकायतों का समयबद्ध एवं संतुष्टिपरक निस्तारण नहीं किया गया था। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही माना। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जब तक संबंधित विभागीय अधिकारी IGRS की स्थिति में सुधार नहीं करते, तब तक उनका



वेतन जारी नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप शिकायतों का गंभीरता से निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा में यह भी सामने आया कि संबंधित विभागों में 20 प्रतिशत से अधिक शिकायत-कर्ता असंतुष्ट पाए गए। डीएम ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से संवाद कर उसकी संतुष्टि प्राप्त करना और उसे IGRS पोर्टल पर दर्ज कराना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने कहा कि समीक्षा से स्पष्ट है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा शिकायतकर्ताओं से जनसंवाद कर संतुष्टिपरक निस्तारण का पर्याप्त प्रयास नहीं किया जा रहा है।

इन लोगों पर हुई कार्रवाई

कार्रवाई की जद में अधीक्षण अभियंता विद्युत, विद्युत खंड प्रथम और द्वितीय के अधिशासी अभियंता, जिला समाज कल्याण अधिकारी, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला पंचायत राज अधिकारी, एलडीएम, प्रभागीय वन अधिकारी, एआरटीओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी, जिला कमांडेंट होमगार्ड, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज, जिला क्रीड़ा अधिकारी, वाणिज्य कर विभाग के उपायुक्त, आवास एवं विकास परिषद के अधिशासी अभियंता, कृषि उत्पादन मंडी परिषद के उप निदेशक (निर्माण), मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/महिला अस्पताल की अधीक्षिका, उत्तर प्रदेश ग्रामीण सड़क योजना के अधिशासी अभियंता और मनरेगा के जिला उपायुक्त शामिल हैं।

11 हजार वोल्ट लाइन से युवक हुई की मौत

बिजली कनेक्शन जोड़ने के लिए खंभे पर चढ़ा था

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के बांगरमऊ थाना क्षेत्र में 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक युवक की मौके पर मौत हो गई। 25 वर्षीय रामकुमार बिजली का कनेक्शन जोड़ने के दौरान खंभे पर चढ़ा था, तभी यह हादसा हुआ। यह घटना शुक्रवार दोपहर 2 बजे मितानपुरवा मजरा भिखारीपुर पतसिया में हुई। सिद्धरपुर के मजरा बगिया गांव निवासी रामकुमार पुत्र रामलाल, लाइनमैन रामू के साथ एक मकान में बिजली का कनेक्शन डालने गया था। इसी दौरान वह बिजली के खंभे पर चढ़ गया। बताया जा रहा है कि जैसे ही रामकुमार खंभे के एंगल पर बैठा, वह अचानक 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ



गया। करंट लगते ही वह बुरी तरह झुलस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रामकुमार अपने तीन भाइयों और चार बहनों में सबसे बड़ा था। उसके छोटे भाई 14 वर्षीय सूरज और 10 वर्षीय घनश्याम हैं। उसकी बहनों में चम्पा विवाहित है, जबकि सीमा, मीरा और शिवानी अविवाहित हैं। परिजनों के अनुसार, रामकुमार परिवार की जिम्मेदारियों में हाथ बंटाता था।

कोबरा को मारकर दांत से काटने लगा युवक

बोला- इसकी हिम्मत मुझे काटेगा, बाराबंकी में सांप ने 3 बार डसा था

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में शराब के नशे में एक युवक कोबरा से भिड़ गया। सांप ने युवक को तीन बार डसा। इसके बाद भी युवक ने सांप को नहीं छोड़ा। उसे हाथ की कलाई में लपेट लिया। सांप युवक को काटता रहा, लेकिन उसने नहीं छोड़ा। सांप को मार डाला फिर उसे मुंह से काटने की कोशिश की। पड़ोसी युवक से सांप को छुड़ाने की कोशिश करते रहे, लेकिन वह नहीं माना। एक तरफ से 4-5 लोग सांप को घसीट रहे थे, दूसरी तरफ से युवक। वह गुस्से में बड़बड़ा रहा था...इसकी इतनी हिम्मत कि ये मुझे डसेगा। घटना गुरुवार शाम 8 बजे की है, जिसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजर्षि त्रिपाठी ने बताया कि सांप के डसने के बाद इस तरह की हरकत नहीं करनी चाहिए।



एक घंटे बाद सीएचसी पहुंचा, डॉक्टरों ने घर भेजा

सांप के डसने के करीब एक घंटे बाद घटना की जानकारी ग्राम प्रधान को हुई। इसके बाद ग्राम प्रधान ने आनन-फानन में युवक को उसके परिजनों के साथ सीएचसी सूरतगंज पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसे एंटी वेनम इंजेक्शन लगाया और ग्लूकोज चढ़ाया। हालत सामान्य होने पर उसे घर भेज दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, घटना के संबंध में पुलिस को सूचना नहीं दी गई।

मरा सांप हाथ में लेकर गांव में घूमता रहा

सांप के तीन बार डसने पर भी संजय नहीं माना। उसने सांप को पकड़ कर डंडे से कूच डाला। मरे हुए सांप को हाथ में लेकर घर के आसपास घूमने लगा। उसे इस तरह घूमते देखकर लोगों की भीड़ लग गई। पड़ोसियों ने संजय को रोका और उसे इलाज कराने की सलाह दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें संजय की बहन रेखा और कुछ ग्रामीण उससे सांप को छुड़ाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह छोड़ने को तैयार नहीं होता है।

मरे हुए सांप को काटने की कोशिश

नशे की हालत में संजय बार-बार कह रहा था, 'ये हमको काटेगा, इसके इतनी हिम्मत।' लोग समझाने की कोशिश करते रहे, लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था। संजय ने मरे हुए सांप को दांत से काटने की कोशिश तक की।

ग्रामीणों के अनुसार, सांप की लंबाई करीब साढ़े तीन फीट थी। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शेर बहादुर, रामचंदर, आरके चौहान, रामलखन, बैठू और सूबेदार समेत अन्य लोगों ने सांप को कोबरा बताया।

युवक के परिजनों और ग्रामीणों ने किसी तरह उसे शांत कराया। सांप के तीन बार डसने के बाद भी संजय हॉस्पिटल जाने को तैयार नहीं था।

मोहम्मदपुर खाला के बैरानामऊ मंझारी गांव में संजय (35) पुत्र सोनेलाल परिवार के साथ रहता है। परिवार में दो बच्चों के अलावा मां-पिता और बहन हैं। पत्नी की मौत हो चुकी है। युवक किसान है। गुरुवार रात करीब 8 बजे पड़ोसी चंदर यादव के घर पर कोबरा सांप निकल आया था। सोनेलाल शराब के नशे में पहुंचा और सांप को पकड़ने की कोशिश करने लगा।

नारेबाजी : जाम में फंसे मंत्री ने गाड़ी से उतरकर समझाया, प्रिंसिपल बोले- मुझे शर्म आ रही

टीचरों की कमी पर लखनऊ में सड़क पर उतरे जेन-अल्फा

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ के पारा में शुक्रवार को जेन अल्फा स्टूडेंट्स ने आगरा एक्सप्रेसवे से लिंक रोड पर जाम लगा दिया। इस दौरान वहां से गुजर रहे समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री असीम अरुण भी जाम में फंस गए। वह गाड़ी से उतरकर छात्रों से मिले। बातचीत करके उन्हें समझाया और स्कूल वापस ले गए। सड़क पर जाम लगाने वाले छात्र मोहान रोड पर बने सर्वोदय विद्यालय के थे। जो समाज कल्याण विभाग से ही संचालित होता है। छात्र नारेबाजी करते हुए विद्यालय में टीचरों की संख्या बढ़ाने की मांग कर



रहे थे। छात्रों के प्रदर्शन से करीब 1 घंटे तक सड़क के दोनों ओर जाम लगा रहा। छात्र जहां प्रदर्शन कर रहे थे, आगरा एक्सप्रेसवे यहां से केवल 1 किमी दूर है। मोहान रोड स्थित सर्वोदय विद्यालय में इस समय करीब 450 छात्र पढ़ रहे हैं। यहां पर बच्चों के रहने-खाने और पढ़ाई की सुविधा पूरी तरह फ्री रहती है।

मंत्री असीम अरुण ने छात्रों से बात की। उन्होंने कहा कि आपकी बात सुनकर यहां नहीं आया, मैं तो कन्नौज जा रहा था। देखा कि जाम लगा है। तब पता चला कि आप लोगों ने जाम लगाया है तो देखकर बुरा लगा। खैर, मैंने आप लोगों से बात की तो आप अंदर आ गए।



छात्रों का जाम खुलवाने में पुलिस भी जूझी

छात्रों ने आरोप लगाया कि उनके विद्यालय में पर्याप्त टीचर नहीं हैं। टीचरों की कमी के कारण सभी कक्षाओं की पढ़ाई समय पर पूरी नहीं हो पा रही है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विद्यालय में जल्द से जल्द टीचरों की भर्ती की जाए ताकि उनकी पढ़ाई सही से चल सके। जाम की सूचना मिलते ही पारा पुलिस मौके पर पहुंची। प्रदर्शनकारी छात्रों को समझाकर किसी तरह जाम खुलवाया गया। पुलिस को इस दौरान करीब 1 घंटे की मशक्कत करनी पड़ी।

- **जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के छात्र बुद्धेश्वर पेट्रोल पंप के सामने सड़क पर धरने पर बैठ गए।**
- **बुद्धेश्वर से मोहान जाने वाली रोड पर गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई।**
- **प्रिंसिपल विनोद कुमार ने बच्चों से कहा- आप लोग 10 साल बाद मुझसे भी अच्छी जगह होंगे। ऐसे मुद्दे पर बात करके मुझे शर्मिंदगी महसूस हो रही।**

मंत्री के सामने बच्चों को बैठाया गया

छात्रों को विद्यालय प्रशासन की मदद से विद्यालय के अंदर ले जाया गया। वहां पर समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री असीम अरुण भी पहुंच गए।

हल्द्वानी में शुद्धिकरण के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

हरदोई में विशाल मार्च और सत्याग्रह का आयोजन, संविधान रक्षा का लिया संकल्प

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार शाम करीब 4:30 हल्द्वानी में हुई कथित शुद्धिकरण की घटना के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। यह घटना हल्द्वानी में कांग्रेस पार्टी की जनसभा स्थल पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उपस्थिति के बाद गंगाजल से कथित शुद्धिकरण से संबंधित थी। जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त नेतृत्व में एक विशाल मार्च और शांतिपूर्ण सत्याग्रह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे शुरू हुआ। मार्च जिला कांग्रेस कार्यालय से शुरू होकर तिकुनिया पार्क स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा तक पहुंचा। इस



दौरान कांग्रेस नेताओं ने जातिगत मानसिकता और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एआईसीसी ऑब्जर्वर पवन गोधरा ने इस घटना को संविधान और सामाजिक समानता पर हमला बताया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम पांडेय ने कहा कि किसी स्थान का गंगाजल से शुद्धिकरण का प्रयास अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और यह समानता की संवैधानिक भावना पर सीधी चोट है। वहीं, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस जाति या सामाजिक पहचान के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को बर्दाश्त नहीं करेगी। इस सत्याग्रह में यूपीसीसी प्रवक्ता अंशु अवस्थी, कमलेश रस्तोगी, गुफरान कौशल, अजीत सिंह चंदेल, आफताब हैदर, मंजू लता मित्रा, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहन सिंह, एनएसयूआई अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश पाल सहित सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में, सभी कांग्रेसजनों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया।

सम्पादकीय

लोकतंत्र की त्रासदी



संसद का मानसून सत्र जिस तरह समाप्त हुआ, वह लोकतंत्र के लिए एक शोकांतिका है। संसद के इस सत्र में अधिकतर समय हंगामा हुआ और जो विधेयक पारित भी हुए, उनमें से अधिकांश बिना चर्चा के पारित हो गए। केवल पेपरलीक विरोधी कानून में संशोधन वाले विधेयक पर चर्चा हो सकी, लेकिन इसका श्रेय विपक्ष को नहीं, नीट मामले में धरना-प्रदर्शन करने वाली काकरोच जनता पार्टी को जाता है।

तथ्य यह भी है कि विपक्ष ने इस विधेयक पर चर्चा के समय पेपरलीक कानून के प्रविधानों पर कुछ कहने के बजाय अन्य मुद्दों को तूल दिया। सत्तापक्ष इससे संतुष्ट हो सकता है कि उसके एजेंडे के अधिकांश विधेयक पारित हो गए, लेकिन संसद इसलिए नहीं होती कि विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित हो जाएं। जब कोई विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित होता है तो उसके गुण-दोष से जनता अवगत नहीं हो पाती।

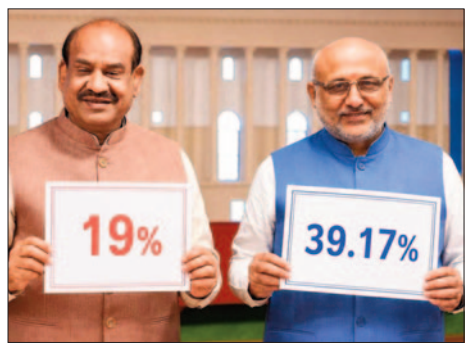
गुण-दोष का उल्लेख करने की जिम्मेदारी जिस विपक्ष पर होती है, उसने अपने ही हाथों उसे गंवाना बेहतर समझा। बिना चर्चा के विधेयक पारित होने का एक दुष्परिणाम यह भी होता है कि जो कानून बनते हैं, वे कसौटी पर खरे नहीं उतरते। इसीलिए उनमें बार-बार संशोधन करने की नौबत आती है। इसका कारण संसद के विमर्श में आई गिरावट है।

संसद इसलिए होती है कि विधेयकों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हो सके, लेकिन अब संसद में यही काम नहीं होता, क्योंकि विपक्ष की हंगामा करने में दिलचस्पी रहती है तो सत्तापक्ष की हंगामे के बीच जैसे-तैसे अपना काम पूरा करने की। एक तरह से राजनीतिक दल ही संसद की महत्ता कम करने का काम कर रहे हैं। यह वह स्थिति है, जो संसद के प्रति जनता की आस्था को डिगाने वाली है।

संसद लोकतंत्र का एक अनिवार्य एवं महत्वपूर्ण मंच है। इस मंच का निरतंर क्षरण लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं हो सकती कि लोकतंत्र को कमजोर करने का काम संसद के अंदर से हो। विपक्ष इससे संतुष्ट हो सकता है कि उसने संसद के भीतर-बाहर हंगामा करके सदन नहीं चलने दिए, लेकिन इससे उसे कोई लाभ नहीं मिलने वाला, क्योंकि जनता को उसके नारे और पोस्टर नहीं याद रहने वाले। उसे तो यह याद रहेगा कि उसके मुद्दों पर कोई बात ही नहीं हुई। चिंताजनक केवल यह नहीं कि अब संसद में शोर-शराबा ही होता रहता है और हंगामा करने के लिए सांसद अतिरिक्त परिश्रम करते हैं, बल्कि यह भी है कि आरोप-प्रत्यारोप की भाषा का स्तर गिरता जा रहा है। वह छिछली और अशोभनीय होती जा रही है। इसके चलते संसद और सड़क की राजनीति का अंतर खत्म हो रहा है। यदि पक्ष-विपक्ष जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने पर सहमत नहीं हो सकते तो फिर वे जन अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सकते।

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

> इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता।



संसदीय मर्यादाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया। संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मर्यादा होती है। यदि विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को



ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है। अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है।

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री मत्स्य ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

आधुनिक मत्स्य उद्यमिता एवं सरकारी नीतियों से गाजियाबाद में साकार होती नीली क्रांति

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के संवर्धन, अंतर्देशीय जल संसाधनों के वैज्ञानिक दोहन और कृषकों की आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित जनकल्याणकारी नीतियों के अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक परिणाम धरातल पर दृष्टिगोचर हो रहे हैं। राज्य के समग्र ग्रामीण परिवेश में परंपरागत प्राथमिक क्षेत्र को आधुनिक, लाभकारी और तकनीकी रूप से सक्षम उद्यम के रूप में रूपांतरित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के समन्वय से संचालित योजनाओं ने राज्य में अंतर्देशीय मात्स्यिकी को सशक्त बनाकर नीली क्रांति के एक नए युग का सूत्रपात किया है।

इस परिवर्तनकारी अभियान के अंतर्गत जनपद गाजियाबाद के ग्राम पटला निवासी श्री रजनीश कुमार ने आधुनिक सोच, तकनीकी दक्षता और दृढ़ संकल्प के बल पर कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का उत्कृष्ट प्रतिमान स्थापित किया है। अभियांत्रिकी पृष्ठभूमि से जुड़े इस लाभार्थी ने लगभग चौदह वर्षों के दीर्घ बहुराष्ट्रीय कॉर्पोरेट क्षेत्र से अपनी सुदृढ़ आय को त्यागकर ग्रामीण उद्यमिता को अपनाया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और स्वरोजगार के माध्यम से नवाचार स्थापित करने की प्रेरणा ने उन्हें अंतर्देशीय जलीय कृषि के क्षेत्र में कदम रखने के लिए प्रेरित किया। मात्स्यिकी क्षेत्र में मांग और आपूर्ति के अंतर तथा इसमें निहित असीम व्यावसायिक संभावनाओं का सूक्ष्म अध्ययन करने के पश्चात रजनीश ने आधुनिक तकनीकों के समन्वय से एक नई कार्ययोजना तैयार की। उन्होंने देश के विभिन्न अग्रणी राज्यों का स्थलीय भ्रमण कर वैज्ञानिक पद्धतियों का गहन व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। इसके अंतर्गत रीसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायोफ्लॉक, इन-पॉन्ड रेसवे सिस्टम तथा केज कल्चर जैसी उन्नत और भूमि-जल दक्ष प्रणालियों की तकनीकी व्यवहार्यता का जमीनी स्तर पर विश्लेषण किया।

रजनीश ने इन वैज्ञानिक तकनीकों की सफलता से आश्वस्त होकर वर्ष 2017 में पूर्णकालिक रूप से मत्स्य उद्यमिता को अपनाने का निर्णय लिया। इसके उपरांत वर्ष 2018 में जनपद गाजियाबाद के पैतृक गांव पटला में 12 एकड़ भूमि के साथ मत्स्यपालन परियोजना का व्यवस्थित शुभारंभ किया। प्रारंभिक स्तर पर सामने आई तकनीकी, पर्यावरणीय और ढांचागत चुनौतियों का समाधान वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आधुनिक प्रबंधन के आधार पर किया, जिससे उत्पादन प्रणाली को स्थायित्व प्राप्त हुआ।

केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' तथा प्रदेश सरकार के मत्स्य प्रोत्साहन कार्यक्रमों के प्रभावी सहयोग से उन्होंने वित्तीय वर्ष 2018-19 में अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित तालाबों का निर्माण कराया। इन इकाइयों की वार्षिक उत्पादन क्षमता लगभग 150 टन तक सुनिश्चित की गई। सरकारी योजनाओं के अंतर्गत प्रदत्त वित्तीय सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन के सटीक उपयोग से परियोजना को तीव्र गति प्राप्त हुई।

प्राथमिक सफलता के उपरांत लाभार्थी रजनीश द्वारा परियोजना का सुनियोजित विस्तार करते हुए लगभग 50 एकड़ के विशाल क्षेत्र में व्यावसायिक

दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मत्स्य प्रजातियों का वैज्ञानिक उत्पादन प्रारंभ किया गया। इसके अंतर्गत इंडियन मेजर कार्प तथा पंगेशियस जैसी प्रमुख प्रजातियों के संवर्धन पर विशेष बल दिया गया। उन्नत जल प्रबंधन, घुलित ऑक्सीजन के निरंतर नियमन और बायो-सिक्योरिटी मानकों के कड़े अनुपालन ने उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की।

मत्स्य उत्पादन की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2019 में उनके द्वारा उच्च गुणवत्तायुक्त मत्स्य बीज उत्पादन के लिए अत्याधुनिक हैचरी एवं सीड बैंक की स्थापना की गई। लगभग 20 लाख बीज उत्पादन क्षमता वाली इस इकाई ने क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज की उपलब्धता को सहज और सुलभ बनाया। इसके माध्यम से बीज आपूर्ति के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भरता पूरी तरह समाप्त हुई।

वर्ष 2020 में केंद्र सरकार के सक्षम बोर्ड के सहयोग से फार्म का विधिवत पंजीकरण कराते हुए रजनीश ने कैटफिश बीज उत्पादन तथा उन्नत नर्सरी विकास के माध्यम से व्यावसायिक गतिविधियों को नई ऊंचाई प्रदान की। आधुनिक इन्क्यूबेशन तकनीकों के उपयोग से हैचिंग दर और फ्राई सर्वाइवल दर में अभूतपूर्व सुधार दर्ज किया गया, जिससे स्थानीय स्तर पर मत्स्य बीज की आपूर्ति अत्यंत किफायती दरों पर संभव हो सकी। उत्पादन के साथ-साथ विपणन व्यवस्था को पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने के लिए एक प्रभावी जीवित मछली विपणन प्रणाली विकसित की गई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के समीप स्थित होने के भौगोलिक लाभ का उपयोग करते हुए उपभोक्ताओं को सीधे ताजा और गुणवत्ता-पूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराया गया। इस सीधी विपणन व्यवस्था ने बिचौलियों की मध्यस्थता को पूरी तरह समाप्त कर दिया, जिससे उत्पादक को उच्च लाभ और उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर गुणवत्ता-पूर्ण उत्पाद मिलना सुनिश्चित हुआ।

जनपद गाजियाबाद में स्थापित यह उन्नत मत्स्य फार्म केवल एक व्यावसायिक प्रतिष्ठान तक सीमित न रहकर आधुनिक कृषि ज्ञान के प्रसार का एक प्रमुख केंद्र बन चुका है।

इस प्राचीन...

केवल राम

लोधेश्वर महादेव मंदिर के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार से श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर बुनियादी सुविधा

प्रदेश के जनपद बाराबंकी के प्राचीन लोधेश्वर महादेव मंदिर को शीघ्र ही भव्य पर्यटन स्वरूप मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की दूरदर्शी पहल पर पर्यटन विभाग द्वारा स्वीकृत लगभग 48.79 करोड़ रुपये की समेकित पर्यटन विकास परियोजना के तहत मंदिर परिसर में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है। यह परियोजना न केवल धार्मिक आस्था के केंद्र को और अधिक सुगम बनाएगी, बल्कि पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए हाईटेक विजिटर फैसिलिटी - कॉम्प्लेक्स भी तैयार करेगी। इसके साथ ही यहाँ परकोटा का कवर्ड कारीडोर भी आकर्षण का केंद्र बनेगा।

इस मंदिर का इतिहास कथाओं में भी मिलता है और महाभारत काल से भी जुड़ा हुआ है। मान्यता के अनुसार अज्ञातवास के दौरान पाण्डवों ने इस क्षेत्र में निवास किया था और महर्षि वेदव्यास की प्रेरणा से यहां रूद्र महायज्ञ कराया था। परिसर में स्थित पाण्डवों का कूप इसी इतिहास का साक्षी है। महाशिवरात्रि, श्रावण और कजरी तीज के अवसर पर यहां विशाल मेला लगता है और लाखों श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक के लिए आते है। एक मान्यता यह भी है कि एक शिवभक्त लोधेराम अवस्थी के नाम पर इस पावन स्थल का नाम लोधेश्वर महादेव पड़ा।

अगले वर्ष अक्टूबर तक पूरा होगा मेगा प्रोजेक्ट- लोधेश्वर महादेव धाम इस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। यहां आधुनिक सुविधाओं के विस्तार से श्रद्धालुओं को आरामदायक प्रवास, सुरक्षा, चिकित्सा सुविधा और बेहतर व्यवस्था मिलेगी। प्रवेश द्वार, कवर्ड कॉरिडोर, क्लॉक रूम, मेडिकल सेंटर और कमांड सेंटर जैसी सुविधाएं परिसर को हाईटेक विजिटर फैसिलिटी कॉम्प्लेक्स का रूप देंगी। लैंडस्केपिंग और दुकानों की व्यवस्था से पर्यटन अनुभव और समृद्ध होगा। इस मंदिर का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कुल 12980 वर्गमीटर क्षेत्र में हो रहा है।

इस प्राचीन मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य में प्रवेश द्वार पांच नग, लैंडस्केप एरिया 2734 वर्गमीटर, परकोटा कवर्ड कॉरिडोर 3.25 मीटर चौड़ाई और 652 रनिंग 111 मीटर लंबाई, क्लॉक रूम 412 वर्गमीटर, पुरुषों के लिए 26, महिलाओं के लिए 26 तथा 100 दिव्यांगजनों के लिए चार टॉयलेट, पेयजल व्यवस्था, सिक्योरिटी स्टाफ हॉल, नौ दुकानें, सीसीटीवी सिस्टम, कंट्रोल रूम एवं कमांड सेंटर, पेंट्री तथा मेडिकल सेंटर जैसी सुविधाओं का निर्माण कार्य शामिल है। इन सुविधाओं से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी और परिसर आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा।

यहां का प्राचीन एवं पवित्र शिव मंदिर धार्मिक स्थल लोधेश्वर महादेव सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। मंदिर को आधुनिक पर्यटन का स्वरूप दिया जा रहा है। भूमि संबंधी बाधाओं के बावजूद अब कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है। यह परियोजना आस्था और पर्यटन का सुंदर संगम बनेगी। जिला प्रशासन इस महत्वपूर्ण विकास कार्य की नियमित निगरानी कर रहा है ताकि निर्धारित समय में पूर्ण गुणवत्ता के साथ काम पूरा हो सके।

आजादी की पहली पुकार: तिलका मांझी का उलगुलान

स्वतंत्रता दिवस केवल उस तारीख को याद करने का अवसर नहीं है, जब भारत ने औपनिवेशिक शासन से मुक्ति पाई। यह उन संघर्षों और बलिदानों को स्मरण करने का दिन भी है, जिन्होंने आजादी की जमीन तैयार की। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का पहला व्यापक स्वतंत्रता संग्राम सामान्यतः 1857 को माना जाता है, लेकिन अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ प्रतिरोध का बिगुल उससे बहुत पहले बज चुका था। बिहार के राजमहल और संथाल परगना की पहाड़ियों में अठारहवीं सदी के उत्तरार्ध में तिलका मांझी की अगुवाई में हुआ संघर्ष इसी इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है।

1857 से लगभग सात दशक पहले अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देने वाले तिलका मांझी इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं कि उनका संघर्ष केवल विदेशी शासन के खिलाफ नहीं था, बल्कि जमीन, जंगल और जीवन पर समुदाय के अधिकार का संघर्ष भी था। उनके प्रतिरोध में अपनी धरती, अपनी आजीविका और अपनी सामाजिक व्यवस्था को बचाने की बेचैनी स्पष्ट दिखाई देती है। अंग्रेजी सत्ता के आगमन से पहले राजमहल की पहाड़ियों और जंगल-तराई का जीवन अपनी विशिष्ट सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था पर टिका था। पहाड़िया आदिवासी मुख्यतः आखेट, खाद्य-संग्रह, झूम खेती और जंगल से मिलने वाले उत्पादों पर निर्भर थे। लकड़ी, फल-फूल, पत्ते और जड़ी-बूटियां उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा थीं। जंगल उनके लिए कोई बाजारू संसाधन नहीं, बल्कि जीवन और संस्कृति का आधार था। मैदानी भागों के जमींदारों और पहाड़िया सरदारों के बीच भी एक पारंपरिक संबंध कायम था। इसके तहत पहाड़िया सरदारों को नजराना और व्यापारियों से चुंगी मिलती थी तथा बदले में वे सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते थे। यह व्यवस्था स्थानीय सामाजिक संतुलन का हिस्सा थी। ईस्ट इंडिया कंपनी के विस्तार ने इस संतुलन को तोड़ दिया। राजस्व वसूली, भू-बंदोबस्त और जमीन पर मालिकाना अधिकार की नई व्यवस्था ने आदिवासी समाज के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया।

कुमार कृष्णन

जरा हटके

सभागार में साझा...

आदर अदीब पावेल बन्धु

विभाजन की विभीषिका को स्मरण कर एकता का संकल्प

भारत के इतिहास में स्वतंत्रता का क्षण जितना गौरवपूर्ण था, उसके साथ जुड़ी विभाजन की त्रासदी उतनी ही पीड़ादायक थी। 15 अगस्त 1947 को देश ने पराधीनता की बेड़ियां तोड़कर स्वतंत्रता का सूर्य देखा, लेकिन इसी कालखंड में लाखों लोगों ने अपने घर, परिवार, संपत्ति और जन्मभूमि से बिछुड़ने का असहनीय दर्द भी झेला। विभाजन केवल भारत के भूगोल का बंटवारा नहीं था, बल्कि यह करोड़ों मनुष्यों की भावनाओं, स्मृतियों और जीवन की दिशा को बदल देने वाली ऐतिहासिक त्रासदी थी। विभाजन के दौरान लाखों लोगों को अपना घर-बार छोड़कर अनजान स्थानों की ओर पलायन करना पड़ा। अनेक परिवार अपनों से बिछड़ गए, असंख्य लोगों ने अपने प्राण गंवाए और बड़ी संख्या में लोगों ने वर्षों तक विस्थापन की पीड़ा को अपने हृदय में संजोए रखा। यह पीड़ा केवल उस पीढ़ी तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनकी स्मृतियों और अनुभवों के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों तक पहुंची। इसलिए विभाजन की विभीषिका को स्मरण करना इतिहास के एक दुखद अध्याय को दोहराना नहीं, बल्कि उससे सीख लेकर भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने का संकल्प लेना है। इसी भाव और संवेदना के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विभाजन की त्रासदी में अपने प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देना, विस्थापन का दंश झेलने वाले परिवारों के संघर्ष और साहस को सम्मान देना तथा नई पीढ़ी को उस दौर की पीड़ा से परिचित कराना है। यह दिवस राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता के महत्व को भी रेखांकित करता है। इस अवसर पर लखनऊ में सरदार पटेल पार्क में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर विभाजन की विभीषिका में पीड़ित हुए लोगों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में दोनों उपमुख्यमंत्रियों तथा मंत्रिमंडल के सदस्यों ने सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात सरदार पटेल पार्क से लोकभवन तक मौन यात्रा निकाली गई। मौन यात्रा उस पीड़ा के प्रति संवेदना की अभिव्यक्ति थी, जिसे शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं। यह मौन उन लाखों लोगों की स्मृतियों के सम्मान के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता के प्रति सामूहिक संकल्प का प्रतीक बना।

सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अपना विशेष महत्व है। भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान अतुलनीय रहा। उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से देश को एकता के सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। ऐसे महान राष्ट्रनायक की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि और उसके बाद निकली मौन यात्रा ने विभाजन की पीड़ा और राष्ट्रीय एकता के संकल्प को एक साथ जोड़ दिया। मौन यात्रा के पश्चात लोकभवन के सभागार में विभाजन की त्रासदी से प्रभावित विभिन्न धर्मों के लोगों ने अपने जीवन की पीड़ादायक स्मृतियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विभाजन के दौरान उन्हें अपने घरों, परिचित परिवेश और प्रियजनों से बिछड़ना पड़ा। उनके अनुभवों में पीड़ा भी थी, संघर्ष भी था और विपरीत परिस्थितियों में जीवन को फिर से खड़ा करने का अदम्य साहस भी। सभागार में साझा की गईं ये आपबीती केवल व्यक्तिगत कहानियां नहीं थीं, बल्कि इतिहास के उस दौर की जीवंत स्मृतियां थीं, जिन्होंने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभाजन पीड़ितों की आपबीती को संवेदनशीलता के साथ सुना और उनका सम्मान किया। विभाजन की पीड़ा झेलने वाले लोगों को सम्मानित करना उस पीढ़ी के साहस, धैर्य और संघर्ष को नमन करना है, जिसने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने जीवन को पुनः स्थापित किया और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अनुभव यह बताते हैं कि मनुष्य का साहस किसी भी विपदा से बड़ा होता है और राष्ट्र की चेतना किसी भी त्रासदी के बाद पुनः उठ खड़ी होने की क्षमता रखती है। विभाजन की त्रासदी से पीड़ित विभिन्न धर्मों के लोगों का एक मंच पर अपनी पीड़ा साझा करना भारतीय समाज की उस सांस्कृतिक शक्ति का भी प्रतीक है, जिसमें विविधता के बावजूद एकता और मानवीय संवेदना सर्वोपरि है। विभाजन ने लोगों को बांटा था, लेकिन समय ने यह भी सिद्ध किया कि भारत की आत्मा को स्थायी रूप से विभाजित नहीं किया जा सकता। पीड़ितों की स्मृतियों को सम्मान देना इसी मानवीय एकता का संदेश देता है। वर्तमान सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाना इस बात का प्रमाण है कि इतिहास के इस पीड़ादायक अध्याय को विस्मृत नहीं होने दिया जा रहा है। स्मृति दिवस के माध्यम से युवा पीढ़ी को यह समझने का अवसर मिलता है कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द कितने महत्वपूर्ण हैं। इतिहास की गलतियों से सीख लेकर ही एक ऐसा भविष्य बनाया जा सकता है, जहां समाज में अविश्वास और वैमनस्य के लिए कोई स्थान न हो। विभाजन की पीड़ा हमें यह भी सिखाती है कि राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी सीमाओं में नहीं, बल्कि नागरिकों के बीच विश्वास, सद्भाव और एकता में निहित होती है। भारत की विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के लोग जब राष्ट्रहित के एक सूत्र में बंधते हैं, तभी भारत की वास्तविक शक्ति प्रकट होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित यह कार्यक्रम इसी व्यापक संदेश को सामने रखता है कि अतीत की पीड़ा को स्मरण करते हुए वर्तमान को सजग और भविष्य को सुरक्षित बनाया जाए। सरदार पटेल पार्क में पुष्पांजलि, लोकभवन तक मौन यात्रा और विभाजन पीड़ितों की आपबीती सुनना—इन सभी गतिविधियों ने मिलकर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को संवेदना, श्रद्धा और राष्ट्रीय संकल्प का स्वरूप प्रदान किया। विभाजन की विभीषिका का दर्द हमारे इतिहास का ऐसा अध्याय है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता और न ही भुलाया जाना चाहिए।

पिता की हत्या करके बेटा मेट्रो के आगे कूदा

उम्र-16 साल, रोक-टोक से नाराज था, नोएडा में मां अलग रहती थी

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा में 16 साल के लड़के ने सोते समय पिता की हत्या कर दी। फिर मेट्रो के आगे कूदकर जान दे दी। वारदात के बाद उसने खून से सने कपड़े बदलकर साफ कपड़े पहने। कमरे में पिता की फोटो लगाई। माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी। कमरे में ताला लगाया और पिता का मोबाइल और बैग लेकर मेट्रो स्टेशन पहुंचा। कुछ देर स्टेशन पर घूमने के बाद ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। पुलिस को लड़के के बैग से पिता का मोबाइल और कमरे की चाबी मिली। पुलिस ने उसकी मां को फोन कर बुलाया। चाचा भी मौके पर साथ पहुंचे। पूछताछ में पता चला कि नाबालिग पिता के साथ रहता था।



पड़ोसी बोले- बाप-बेटे एक-दूसरे से कम ही बातचीत करते थे

- पड़ोसी कौशल ने बताया- राजू शर्मा के बेटे को कभी-कभार ही दिखता था। वह ज्यादातर घर में रहता था। बाहर बहुत कम दिखाई देता था। कभी-कभी कपड़े सुखाने के लिए ऊपर जाते समय नजर आता था। आसपास रहने वाले लोगों को भी अंदाजा नहीं था कि घर में इतनी बड़ी घटना हो सकती है। उन्हें घटना की जानकारी तब हुई, जब पुलिस जांच के लिए मौके पर पहुंची।
- पड़ोसी राम अवतार तिवारी ने बताया- बाप-बेटे एक-दूसरे से कम ही बातचीत करते थे। बेटा अपना खाना खुद बनाता था और पानी भी खुद लेकर आता था।

दीवारों पर खून के धब्बे मिले, कमरे से बदबू आ रही थी

पुलिस ने बताया कि बुधवार को जब छात्र के शव के पास मिले बैग में एक मोबाइल मिला। मोबाइल में मां रूबी का नंबर सेव था। उनको कॉल करके बुलाया। वह मौके पर पहुंची। बेटे के शव की पहचान की। थोड़ी देर में राजू के भाई अरुण शर्मा भी वहां पहुंच गए। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनका भाई राजू शर्मा भी लापता है। वह कमरे पर गए तो ताला लटका मिला। पुलिस ने मां से पूछताछ की तो बताया कि राजू गुस्सैल स्वभाव के थे। बेटे पर कई पाबंदियां लगा रखी थीं। इससे बेटा मायूस रहता था। पुलिस को शक हुआ कि कहीं नाबालिग ने पिता की हत्या कर खुद की जान तो नहीं दी।

पुलिस मां और चाचा को लेकर राजू के कमरे पर पहुंची। वहां तेज बदबू आ रही थी। चाबी से दरवाजा खोला गया तो अंदर राजू का शव मिला। कमरे से नाबालिग के खून से सने कपड़े और दीवारों पर खून के धब्बे भी मिले। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल से सैंपल लिए।



21 साल से नोएडा में रहते थे, ऑनलाइन ट्यूशन पढ़ाते थे

राजू शर्मा मूल रूप से झारखंड के बोकारो स्टील सिटी के रहने वाले थे। उनके पिता SAIL में काम करते थे। राजू 2005 में पत्नी के साथ नोएडा शिफ्ट हुए थे। वह अपने इकलौते बेटे के साथ अजनारा सोसाइटी इलाके में किराए के कमरे में रहते थे। उन्होंने M.Com किया था। बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने के साथ ऑनलाइन क्लास भी लेते थे।

उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पहुंचे डा जियाराम वर्मा के घर और ढाढ़स बंधाया

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उप्र कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के पूर्व चेयरमैन डा जियाराम वर्मा के ज्येष्ठ पुत्र इंजीनियर मनीष वर्मा का 44 वर्ष की उम्र में हार्ट अटैक से दो दिन पहले आकस्मिक निधन हो गया. इंजीनियर मनीष वर्मा की श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित शांति यज्ञ और श्रद्धांजलि सभा में उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने पहुंचकर इंजीनियर मनीष वर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर डा जियाराम वर्मा,बेटी डा कल्पना वर्मा और उनके शोक-संतप्त परिवार को ढाढ़स बंधाया और कहा कि इस अपार दुख की घड़ी में पूरा कांग्रेस परिवार उनके साथ है.

श्रद्धांजलि सभा में उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के साथ उप्र कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष प्रमोद पाण्डेय, उप्र कांग्रेस आरटीआई प्रकोष्ठ अध्यक्ष पुष्पेन्द्र श्रीवास्तव, पीसीसी सदस्य डा विजय शंकर तिवारी, लखनऊ शहर अध्यक्ष डा



शहजाद आलम, उप्र कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष संयोजक डा पीके त्यागी, शशिकांत चौबे,डा ऋचा शर्मा कौशिक और कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे. श्रद्धांजलि सभा में अम्बेडकर नगर जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा साधू वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार रमेश वर्मा,बाराबंकी की पूर्व विधायक श्रीमती राजलक्ष्मी वर्मा, लखनऊ कैंट विधायक मो अरमान, पूर्व विधायक अरून वर्मा , कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संपूर्णानंद, कृपाशंकर,डा राजेश वर्मा,डा वत्सल, प्रेमचंद वर्मा सहित लखनऊ मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी मौजूद रहे.

फास्ट न्यूज

कृष्णा नदी का पानी हुआ काला और दूषित

शामली। शामली में कृष्णा नदी का पानी लगातार प्रदूषित होने से नदी का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। कुड़ाना क्षेत्र में नदी का स्वरूप नाले जैसा हो गया है। पानी काला और दुर्गंधयुक्त होने के कारण आसपास के ग्रामीणों में चिंता बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सफाई नहीं होने और प्रदूषित पानी की निकासी नदी में किए जाने के कारण हालात लगातार बिगड़ रहे हैं।

डकैती की योजना बना रहे 5 बदमाश गिरफ्तार

अलीगढ़। अलीगढ़ में सिविल लाइंस थाना पुलिस ने डकैती की योजना बना रहे पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर सभी को पकड़ लिया। इनके पास से हथियार, कारतूस और डकैती में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से दो अवैध चाकू, .32 बोर की देसी रिवाल्वर और .315 बोर का तमंचा मिला है। इसके अलावा दो जिंदा और दो खोखा कारतूस बरामद हुए। एक बैग की तलाशी लेने पर रस्सी, लोहे की रॉड और छैनी मिली। पुलिस का कहना है कि इन सामान का इस्तेमाल डकैती के दौरान किया जाना था।

सपा के 'दानपेटी अभियान' पर संतों का आक्रोश

अलीगढ़। समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा संसद भवन में चलाए गए 'दानपेटी अभियान' पर सनातन धर्म के संतों और धर्मगुरुओं का आक्रोश सामने आया है। अलीगढ़ में महंत योगी कौशल नाथ ने इस अभियान को राजनीति से प्रेरित नौटंकी और धार्मिक मान्यताओं का अपमान बताया। यह ब्यान 14 अगस्त 2026 को अलीगढ़ में दिया ।

कानपुर देहात में पढ़ाई न होने की शिकायत लेकर पुलिस चौकी पहुंचा 12 साल का छात्र

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर देहात। सरकारी स्कूल में पढ़ाई न होने और शिक्षकों की लापरवाही से परेशान कक्षा सात का 12 वर्षीय छात्र शिकायत लेकर सीधे पुलिस चौकी पहुंच गया। छात्र ने पुलिसकर्मियों को बताया कि स्कूल में मैम पढ़ाती नहीं हैं और ज्यादातर समय मोबाइल फोन चलाती रहती हैं। उसने यह भी आरोप लगाया कि बड़े छात्र छोटे बच्चों के साथ मारपीट करते हैं और स्कूल में पढ़ाई के बजाय बच्चे अधिकांश समय मैदान में खेलते रहते हैं। बच्चे की बातें सुनकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। एक हेड कांस्टेबल छात्र को साथ लेकर स्कूल पहुंचे। वहां छात्र के सामने ही महिला शिक्षिका ने उसे डांटना शुरू कर दिया। पुलिसकर्मी ने शिक्षिका को समझाया और बच्चे के साथ इस तरह व्यवहार न करने की हिदायत दी। मामले का वीडियो अब सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में भी कार्रवाई शुरू हुई है। मामला कानपुर देहात के रसधान क्षेत्र का है। जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित सरकारी कंपोजिट स्कूल में छात्र कक्षा सात में पढ़ता है। बताया जा रहा है कि स्कूल में पढ़ाई की स्थिति से परेशान होकर छात्र पुलिस चौकी पहुंचा और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से अपनी शिकायत बताई। छात्र ने कहा कि स्कूल में शिक्षिका पढ़ाने पर ध्यान नहीं देती हैं। वह दिनभर मोबाइल फोन चलाती रहती हैं। इसके अलावा बड़े छात्र छोटे बच्चों को पीटते हैं। छात्र ने यह भी बताया कि स्कूल में बच्चे काफी समय ग्राउंड में खेलते रहते हैं और पढ़ाई ठीक से नहीं होती। 12 साल के छात्र की शिकायत सुनकर पुलिसकर्मी भी चौंक गए। बच्चे की बात को गंभीरता से लेते हुए एक हेड कांस्टेबल उसे लेकर स्कूल पहुंचा, ताकि वहां की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सके। पुलिसकर्मी के स्कूल पहुंचने के बाद छात्र ने अपनी शिकायत दोहराई। इसी दौरान आरोप है कि महिला शिक्षिका छात्र को ही डांटने लगीं। पुलिसकर्मी ने शिक्षिका को समझाया और छात्र के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं करने की हिदायत दी। बताया गया है कि यह मामला 10 अगस्त का है। घटना से जुड़ा वीडियो गुरुवार को सामने आया, जिसके बाद मामला चर्चा में आ गया। वीडियो में पुलिसकर्मी छात्र के साथ स्कूल पहुंचकर शिक्षिका से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने भी मामले को संज्ञान में लिया है।



पढ़ाई न होने की शिकायत लेकर पुलिस चौकी पहुंचा 12 साल का छात्र

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर देहात। सरकारी स्कूल में पढ़ाई न होने और शिक्षकों की लापरवाही से परेशान कक्षा सात का 12 वर्षीय छात्र शिकायत लेकर सीधे पुलिस चौकी पहुंच गया। छात्र ने पुलिसकर्मियों को बताया कि स्कूल में मैम पढ़ाती नहीं हैं और ज्यादातर समय मोबाइल फोन चलाती रहती हैं। उसने यह भी आरोप लगाया कि बड़े छात्र छोटे बच्चों के साथ मारपीट करते हैं और स्कूल में पढ़ाई के बजाय बच्चे अधिकांश समय मैदान में खेलते रहते हैं। बच्चे की बातें सुनकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। एक हेड कांस्टेबल छात्र को साथ लेकर स्कूल पहुंचे। वहां छात्र के सामने ही महिला शिक्षिका ने उसे डांटना शुरू कर दिया। पुलिसकर्मी ने शिक्षिका को समझाया और बच्चे के साथ इस तरह व्यवहार न करने की हिदायत दी। मामले का वीडियो अब सामने आने के बाद शिक्षा विभाग में भी कार्रवाई शुरू हुई है। मामला कानपुर देहात के रसधान क्षेत्र का है। जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित सरकारी कंपोजिट स्कूल में छात्र कक्षा सात में पढ़ता है। बताया जा रहा है कि स्कूल में पढ़ाई की स्थिति से परेशान होकर छात्र पुलिस चौकी पहुंचा और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से अपनी शिकायत बताई। छात्र ने कहा कि स्कूल में शिक्षिका पढ़ाने पर ध्यान नहीं देती हैं। वह दिनभर मोबाइल फोन चलाती रहती हैं। इसके अलावा बड़े छात्र छोटे बच्चों को पीटते हैं। छात्र ने यह भी बताया कि स्कूल में बच्चे काफी समय ग्राउंड में खेलते रहते हैं और पढ़ाई ठीक से नहीं होती। 12 साल के छात्र की शिकायत सुनकर पुलिसकर्मी भी चौंक गए। बच्चे की बात को गंभीरता से लेते हुए एक हेड कांस्टेबल उसे लेकर स्कूल पहुंचा, ताकि वहां की वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सके। पुलिसकर्मी के स्कूल पहुंचने के बाद छात्र ने अपनी शिकायत दोहराई। इसी दौरान आरोप है कि महिला शिक्षिका छात्र को ही डांटने लगीं। पुलिसकर्मी ने शिक्षिका को समझाया और छात्र के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं करने की हिदायत दी। बताया गया है कि यह मामला 10 अगस्त का है। घटना से जुड़ा वीडियो गुरुवार को सामने आया, जिसके बाद मामला चर्चा में आ गया। वीडियो में पुलिसकर्मी छात्र के साथ स्कूल पहुंचकर शिक्षिका से बातचीत करते नजर आ रहे हैं।



मां-बेटी ने पिता की हत्या करके शव दफनाया

बॉयफ्रेंड से बात करने से रोकता था, रायबरेली में एक महीने तक जुर्म छिपाया

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली में मां ने बेटी के साथ मिलकर पिता की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को घर से 50 मीटर दूर एक गड्ढे में दफना दिया। आरोपी मां ने महाराष्ट्र में नौकरी करने वाले बेटे को बताया कि पिता लड़ाई-झगड़ा करके कहीं चले गए हैं। कई दिनों तक पिता से बात न होने पर बेटा घर लौटा और पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। गांव वालों से पूछताछ के दौरान पुलिस को मां-बेटी पर शक हुआ। शुरुआत में दोनों पुलिस को गुमराह करती रहीं, लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने जुर्म कबूल कर लिया। पूछताछ में आरोपी मां ने बताया कि पति शराब के नशे में अक्सर मारपीट करता था। बेटी के अफेयर की जानकारी होने पर वह उसके साथ भी मारपीट करने लगा। उसे किसी से बात नहीं करने देता था। रोज-रोज की प्रताड़ना से तंग आकर हम दोनों ने लोहे की रॉड से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मां-बेटी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला जिला मुख्यालय से 20 किलोमीटर दूर हरचंदपुर थाना क्षेत्र के बराइन गांव का है। बराइन गांव निवासी छोटेलाल (50) खेती-किसानी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार में पत्नी केश कुमारी (48), बेटी छाया (19) और बेटा सतीश (25) हैं।



सिपाही की पत्नी ने राइफल से खुद को मारी गोली

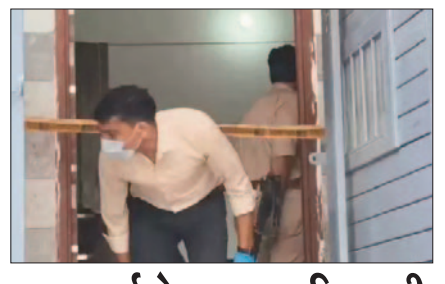
राइफल से गर्दन में मारी गोली, पति और दो बेटियों के साथ किराए पर रहती थी

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर के सदर बाजार क्षेत्र के हकीकत नगर में शुक्रवार सुबह एक महिला ने अपने पति की सरकारी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली गर्दन में लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय उसका पति दोनों बेटियों के साथ घर के दूसरे कमरे में मौजूद था। गोली चलने की आवाज सुनकर वह कमरे में पहुंचा तो पत्नी खून से लथपथ फर्श पर पड़ी मिली। मृतका की पहचान 33 वर्षीय सरिता के रूप में हुई है। उसके पति रिंकू सिंह पुलिस विभाग में सिपाही हैं और वर्तमान में खनन विभाग की गार्द में तैनात बताए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही सदर बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे रिंकू सिंह दोनों बेटियों के साथ घर के दूसरे कमरे में था। इसी दौरान दूसरे कमरे से अचानक गोली चलने की आवाज आई। आवाज सुनकर रिंकू तुरंत कमरे में पहुंचा। कमरे में सरिता फर्श पर खून से लथपथ पड़ी थी और पास में सर्विस राइफल पड़ी थी। गोली की आवाज सुनकर दोनों बेटियां भी कमरे के पास पहुंच गईं।

पुलिस के अनुसार, रिंकू सिंह मेरठ के हस्तिनापुर के रहने वाले हैं और वर्ष 2016 बैच के सिपाही हैं। करीब तीन साल पहले उनका तबादला सहारनपुर हुआ था। इसके बाद से वह पत्नी सरिता और दोनों बेटियों के साथ हकीकत नगर में किराए के मकान में रह रहे थे। रिंकू और सरिता की शादी वर्ष 2019 में हुई थी। उनकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी ज्योत्सना पांच वर्ष और छोटी बेटी श्रद्धा तीन वर्ष की है। बताया गया है कि सरिता का भाई नवीन सिंह भी सहारनपुर में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात है।





पड़ोसियों ने पुलिस को दी सूचना

गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी हुई। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी अभिषेक सिंह और एसएसपी अभिनंदन सिंह भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास के लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए।

भाई ने बताया- पति-पत्नी के बीच होती थी नोकझोंक

सिपाही के भाई प्रदीप कुमार के मुताबिक, उसे फोन के जरिए सरिता के खुद को गोली मारने की जानकारी मिली। इसके बाद वह तुरंत मौके पर पहुंचा। उसने बताया कि घर में सर्विस गन लोडेड हालत में रखे होने की जानकारी से उसे घटना को लेकर चिंता और संदेह हुआ। प्रदीप के अनुसार, रिंकू और सरिता के बीच कभी-कभी नोकझोंक होती थी। उसका कहना है कि नौकरी के तनाव के कारण रिंकू परेशान रहता था और कभी-कभी शराब भी पीता था। इसे लेकर सरिता चिंतित रहती थी। उसने बताया कि सरिता पहले भी नाराज होकर घर छोड़ने या अपने भाइयों के पास जाने की बात कह चुकी थी।

बातचीत : कानपुर में दुकानदार को ओढ़ाया गमछा, पूछा- टिटनेस का इंजेक्शन लगवाया या नहीं

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने सड़क किनारे पिया नारियल पानी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने सड़क किनारे फुटपाथ पर बैठकर नारियल पानी पिया। इस दौरान उन्होंने दुकानदार से बातचीत की और उसका हालचाल भी जाना। बातचीत के दौरान उनकी नजर दुकानदार की कटी उंगली पर पड़ी। उन्होंने पूछा- चोट कैसे लगी और टिटनेस का इंजेक्शन लगवाया है या नहीं। इसके बाद उन्होंने दुकानदार को गमछा ओढ़ाकर सम्मानित किया, नारियल पानी के 200 रुपए दिए और नारियल पानी पिलाने के लिए धन्यवाद दिया। इसके बाद वह लखनऊ के लिए रवाना हो गए। इसका वीडियो शुक्रवार को सामने आया। दरअसल, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक गुरुवार को कानपुर में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम खत्म होने के बाद वह भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह के साथ गोविंदनगर क्षेत्र से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर सड़क किनारे नारियल पानी के ठेले पर पड़ी। उन्होंने तुरंत गाड़ी रुकवाई और ठेले पर पहुंच गए।



बातचीत के दौरान डिप्टी सीएम की नजर भरत तिवारी की उंगली पर लगी चोट पर पड़ी। उन्होंने पूछा कि चोट कैसे लगी। इस पर भरत ने बताया कि नारियल काटते समय चाकू से उंगली कट गई थी।

फुटपाथ पर बैठकर पिया नारियल पानी

डिप्टी सीएम ठेले पर रखी कुर्सी पर बैठ गए और दुकानदार भरत तिवारी से एक नारियल लिया। नारियल पानी पीते-पीते उन्होंने भरत से बातचीत शुरू की और उसके कामकाज व परिवार का हालचाल भी पूछा। सड़क किनारे डिप्टी सीएम को इस तरह बैठा देख वहां लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद डिप्टी सीएम ने पूछा कि टिटनेस का इंजेक्शन लगवाया है या नहीं। भरत ने बताया कि वह इंजेक्शन लगवा चुका है। इस पर उन्होंने कहा कि अगर आगे किसी तरह की कोई दिक्कत हो तो भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह को बता देना।



जिलाध्यक्ष बोले- खुद कहा, गाड़ी रोकिए

भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने बताया कि गोविंदनगर से गुजरते समय डिप्टी सीएम की नजर नारियल पानी के ठेले पर पड़ी। उन्होंने खुद गाड़ी रुकवाने के लिए कहा और बिना किसी औपचारिकता के ठेले पर बैठकर नारियल पानी पिया।

15 अगस्त को लेकर हाई अलर्ट

मॉल, होटल, स्टेशन सघन चेकिंग, कानपुर सेंट्रल पर आरपीएफ- जीआरपी का पहरा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में स्वतंत्रता दिवस को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। शुक्रवार को पुलिस ने एक मॉल में डॉग स्क्वॉड और एलआईयू टीम के साथ चेकिंग की, जिसमें एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर विपिन ताडा भी मौजूद रहे। पुलिस ने मॉल परिसर, पार्किंग और आसपास के इलाकों की तलाशी ली। इसके अलावा प्रमुख चौराहों, होटल, बस अड्डों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर रात में विशेष चेकिंग की जा रही है। संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की गई है। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर RPF और GRP की संयुक्त टीम ने यात्रियों और उनके सामान की जांच की। प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय और पार्किंग के साथ स्टेशन के आउटर व रेलवे ट्रैक के किनारे भी जवान तैनात किए गए हैं। स्टेशन पर लगे CCTV कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। डॉग स्क्वॉड और मेटल डिटेक्टर से भी जांच हो रही है, जबकि आउटर से गुजरने वाली ट्रेनों पर विशेष नजर रखी जा रही है। पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल ने यात्रियों से सतर्क रहने की अपील की है। किसी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत रेलवे पुलिस या डायल 112 पर सूचना देने को कहा गया है।



7 बार मिल चुका एक्सटेंशन, अब 8वीं बार सेवा विस्तार या सिक्किम वापसी?

मुरादाबाद कमिश्नर आन्जनेय सिंह का यूपी में कार्यकाल आज खत्म

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। रामपुर में सपा नेता आजम खान के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर चर्चित हुए IAS अधिकारी आन्जनेय कुमार सिंह का उत्तर प्रदेश में कार्यकाल आज (14 अगस्त) को खत्म हो रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल है कि क्या केंद्र सरकार उन्हें 8वीं बार सेवा विस्तार देगी या फिर वह अपने मूल कैडर सिक्किम लौटेंगे। राज्य सरकार के अनुरोध पर केंद्र सरकार उन्हें अब तक 7 बार एक्सटेंशन दे चुकी है। प्रशासनिक गलियारों में इस समय उनके अगले कदम को लेकर चर्चाएं तेज हैं। आन्जनेय सिंह 2005 बैच



के सिक्किम कैडर के IAS अधिकारी हैं। वह मूल रूप से मऊ जिले के सलाहाबाद गांव के रहने वाले हैं। 16 फरवरी 2015 को अखिलेश यादव सरकार के दौरान वह अंतर-कैडर प्रतिनियुक्ति पर सिक्किम से यूपी आए थे। 2016 में उन्हें बुलंदशहर का डीएम बनाया गया। योगी सरकार बनने के बाद उनकी फतेहपुर में पोस्टिंग हुई। हालांकि, सबसे ज्यादा चर्चा उन्हें रामपुर के डीएम रहते मिली। 19 फरवरी 2019 को उन्हें रामपुर का डीएम बनाया गया। 6 मार्च 2021 तक वह इस पद पर रहे। इसी दौरान उन्होंने आजम खान और उनके परिवार के खिलाफ कई मामलों में सख्त कार्रवाई की। इसके बाद उन्हें मुरादाबाद मंडल का कमिश्नर बनाया गया। रामपुर इसी मंडल में आता है। अब उनका सातवां एक्सटेंशन भी खत्म हो रहा है।

आजम खान के खिलाफ कार्रवाई से मिली पहचान

रामपुर में डीएम रहते हुए आन्जनेय सिंह ने आजम खान के खिलाफ कई मामलों में कार्रवाई की। जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े जमीन विवाद समेत कई मामलों में प्रशासनिक कार्रवाई के चलते वह सुर्खियों में आए। इसके बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में उनकी पहचान एक सख्त अफसर के तौर पर बनी।

7 बार ऐसे मिला एक्सटेंशन

- पहला एक्सटेंशनः 15 फरवरी 2020 से 14 अगस्त 2021 तक
- दूसरा एक्सटेंशनः 15 अगस्त 2021 से 14 अगस्त 2022 तक
- तीसरा एक्सटेंशनः 15 अगस्त 2022 से 14 अगस्त 2023 तक
- चौथा एक्सटेंशनः 15 अगस्त 2023 से 14 अगस्त 2024 तक
- पांचवां एक्सटेंशनः 15 अगस्त 2024 से 14 फरवरी 2025 तक
- छठा एक्सटेंशनः 15 फरवरी 2025 से 14 अगस्त 2025 तक
- सातवां एक्सटेंशनः 15 अगस्त 2025 से 14 अगस्त 2026 तक

इस तरह वह करीब 11 साल से यूपी में तैनात हैं। दूसरे कैडर में प्रतिनियुक्ति के दौरान लगातार 7 बार सेवा विस्तार मिलना अपने आप में असाधारण मामला माना जा रहा है।

मैक्सिको में भारत के राजदूत से पद्मश्री कृष्ण कन्हाई की शिष्टाचार भेंट

तमसा संकेत, संवाददाता

वृंदावन। देश के जाने-माने चित्रकार एवं पद्मश्री सम्मानित कृष्ण कन्हाई ने अपनी तीन देशों की विदेश यात्रा के दौरान मैक्सिको में भारत के राजदूत डॉ. पंकज शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कृष्ण कन्हाई जी ने डॉ. पंकज शर्मा को अपनी कॉफी टेबल बुक भेंट की तथा वृंदावन का प्रसाद प्रदान किया। राजदूत डॉ. पंकज शर्मा ने अत्यंत उत्सुकता के साथ कृष्ण कन्हाई की कलाकृतियों का अवलोकन किया और उनकी चित्रकला की सराहना की। डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि कुछ समय पूर्व मैक्सिको सिटी में "अपने राम" नाम से एक चित्र प्रदर्शनी आयोजित हुई थी। कृष्ण कन्हाई के चित्रों को देखने के बाद उन्होंने सुझाव दिया कि "विश्व के कृष्ण" अथवा अन्य कोई आध्यात्मिक नाम पर आधारित चित्रों की प्रदर्शनी मैक्सिको सिटी



में आयोजित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी भारतीय कला एवं संस्कृति को मैक्सिको में और अधिक व्यापक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। डॉ. पंकज शर्मा मैक्सिको में भारत के राजदूत नियुक्त होने से पूर्व लगभग दस देशों में भारत के राजदूत रह चुके हैं। वे भारतीय कला, संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं के विशेष प्रेमी माने जाते हैं। इस मुलाकात के दौरान कृष्ण कन्हाई के मित्र एवं भारतीय मूल के मैक्सिको निवासी मानक चंद बैद भी उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

यमुना का जलस्तर घटा, नाविकों ने मांगी अनुमति

मथुरा। मथुरा में यमुना नदी का जलस्तर कम होने के बाद नाव संचालन की अनुमति की मांग को लेकर शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे दर्जनभर नाविक कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी से मुलाकात कर गोकुल के ठाकुरानी घाट पर नाव चलाने की लिखित अनुमति मांगी। नाविकों का कहना है कि यमुना का जलस्तर अब सामान्य हो गया है।

जिला पंचायत सदस्य के स्कूल पर चला बुलडोजर

मुरादाबाद। मुरादाबाद में जिला प्रशासन की टीम ने शुक्रवार को एक जिला पंचायत सदस्य के स्कूल की बाउंड्री ध्वस्त कर दी। प्रशासन का कहना है कि स्कूल की बाउंड्री के अंदर ग्राम समाज की सरकारी जमीन थी। वहीं, जिला पंचायत सदस्य ने इस कार्रवाई को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए दावा किया है कि उसके पास संबंधित न्यायलय के स्टे ऑर्डर हैं। इसके बाद भी प्रशासनिक टीम ने गलत तरीके से उनके स्कूल की बाउंड्री को ध्वस्त कर दिया। मूंढापांडे में प्रशासन की टीम ने सपा के जिला पंचायत सदस्य मोहम्मद शमी उर्फ शम्भू के एमजेपी इंटर कॉलेज में बुलडोजर चलाया।

आजादी से जुड़ी है बांके बिहारी के हिंडोले की कहानी

मथुरा। वृंदावन में इस बार हरियाली तीज खास होने जा रही है। 15 अगस्त को ठाकुर बांके बिहारी जी स्वर्ण-रजत हिंडोले में विराजकर भक्तों को दर्शन देंगे। 79 साल बाद ऐसा संयोग बना है, जब हरियाली तीज 15 अगस्त को पड़ रही है। इससे पहले 1947 में इसी हिंडोले में ठाकुरजी पहली बार विराजे थे। बेरीवाला परिवार ने इस हिंडोले को 15 अगस्त 1947 को मंदिर को अर्पित किया था।

डेढ़ साल की बच्ची की टब में डूबकर हुई मौत

बाराबंकी में घर के अंदर हुआ हादसा, काफी देर तक परिजनों ने तलाशा

तमसा संकेत, एजेंसी

रामनगर। बाराबंकी के रामनगर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर खरगी गांव में iगुरुवार दोपहर घर के अंदर खेल रही डेढ़ वर्षीय बच्ची की पानी से भरे टब में डूबने से मौत हो गई। बच्ची के काफी देर तक दिखाई नहीं देने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। इसी दौरान वह नल के पास रखे पानी से भरे टब में पड़ी मिली। परिजनों ने उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। रामपुर खरगी गांव निवासी रविंद्र कुमार की डेढ़ वर्षीय बेटी रूहानी उर्फ कल्लो घर में खेल रही थी। खेलते समय वह नल के पास रखे पानी से भरे टब के पास पहुंच गई। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह टब में गिर गई। काफी देर तक बच्ची दिखाई नहीं दी तो परिजनों ने उसकी



तलाश शुरू की। घर में खोजबीन के दौरान बच्ची पानी से भरे टब में पड़ी मिली। परिजनों ने आनन-फानन में उसे बाहर निकाला, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। रामनगर कोतवाल अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि बच्ची की मौत की सूचना मिली थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सड़क किनारे कूड़े के पास मिले राष्ट्रीय ध्वज, सीसीटीवी फुटेज वायरल

तिरंगे के अपमान का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। स्वतंत्रता दिवस से पहले देशभर में तिरंगे के सम्मान को लेकर विभिन्न कार्यक्रम और तिरंगा यात्राएं आयोजित की जा रही हैं। इसी बीच आगरा में राष्ट्रीय ध्वज के अपमान से जुड़ा मामला सामने आया है। सिकंदरा इंडस्ट्रियल एरिया में कूड़ेदान के पास बड़ी संख्या में तिरंगे सड़क किनारे पड़े मिलने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। CCTV फुटेज में कथित तौर पर एक मेटाडोर से झंडे सड़क किनारे फेंकते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने मामले की शिकायत थाना सिकंदरा पुलिस से की। संगठन के पदाधिकारियों ने तिरंगे को इस तरह सड़क किनारे



फेंके जाने को गंभीर मामला बताते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मौके से तिरंगे और भगवा झंडे बरामद कर लिए हैं। फिलहाल पुलिस CCTV फुटेज के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है। जानकारी मिलने के बाद संगठन के कई कार्यकर्ता थाना सिकंदरा पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले से अवगत कराया। कार्यकर्ताओं ने प्रार्थना पत्र देकर झंडे फेंकने वाले लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हिंदू महासभा की जिला अध्यक्ष मीरा राठौर और विशाल कुमार ने कहा कि

66 अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता विशाल कुमार के मुताबिक, वह किसी काम से सिकंदरा क्षेत्र से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर कूड़ेदान के पास सड़क किनारे पड़े बड़ी संख्या में झंडों पर गई। झंडों को इस तरह पड़े देखकर उन्होंने संगठन के अन्य पदाधिकारियों को इसकी जानकारी दी।

सीसीटीवी फुटेज में मेटाडोर से झंडे फेंकने का दावा

संगठन के पदाधिकारियों का दावा है कि घटनास्थल के आसपास लगे CCTV कैमरे की फुटेज में एक मेटाडोर से तिरंगे और भगवा झंडे सड़क किनारे फेंके जाते दिखाई दे रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने पुलिस से CCTV फुटेज की गंभीरता से जांच करने और वाहन के नंबर के आधार पर संबंधित लोगों की पहचान करने की मांग की है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कूड़ेदान के पास पड़े तिरंगे व भगवा झंडों को बरामद किया। पुलिस अब CCTV फुटेज और घटनास्थल से मिले तथ्यों के आधार पर मामले की जांच में जुटी है।

पुलिस ने झंडे बरामद किए, एफआईआर पर स्थिति स्पष्ट नहीं

हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार रात करीब 10:30 बजे थाना सिकंदरा में शिकायत दी। संगठन की ओर से दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई है। हालांकि, शिकायत के बाद पुलिस ने झंडे बरामद कर लिए हैं, लेकिन संगठन के अनुसार अभी तक FIR दर्ज नहीं की गई है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले राष्ट्रीय ध्वज को कूड़े के पास फेंके जाने की घटना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और दोषियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज का इस तरह कूड़ेदान के पास फेंका जाना गंभीर विषय है। संगठन ने पुलिस से मामले में जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

सारा एनी यूएसए से घूमने आईं थीं, घूमने के दौरान पीछे से हमला किया

आगरा में विदेशी महिला पर्यटक को बंदर ने काटा

तममसा संकेत, एजेंसी

आगरा। विश्व प्रसिद्ध ताजमहल का दीदार करने पहुंची अमेरिका की एक महिला पर्यटक पर गुरुवार को बंदर ने हमला कर दिया। ताजमहल परिसर के मेहमानखाने के पास अचानक हुए हमले में बंदर ने महिला के शरीर के पिछले हिस्से में काट लिया। घटना के बाद महिला पर्यटक घबरा गई। आसपास मौजूद लोगों में भी कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। ताजमहल परिसर में बंदरों के बढ़ते आतंक के बीच विदेशी पर्यटक पर हमले की यह घटना पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।



इससे पहले भी स्मारक परिसर में बंदरों के पर्यटकों पर हमला करने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका की रहने वाली महिला पर्यटक सारा ऐनी गुरुवार को ताजमहल देखने पहुंची थीं। वह स्मारक परिसर में घूम रही थीं। इसी दौरान मेहमानखाने के पास अचानक एक बंदर ने उन पर हमला कर दिया।

महिला को संभलने का मौका भी नहीं मिला और बंदर ने उनके शरीर के पिछले हिस्से में काट लिया। अचानक हुई घटना से वह काफी घबरा गईं। आसपास मौजूद पर्यटकों और अन्य लोगों का ध्यान भी घटना की ओर गया।

28 जुलाई को दक्षिण कोरियाई पर्यटक पर हुआ था हमला

ताजमहल में बंदरों के हमले का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले 28 जुलाई को एक दक्षिण कोरियाई महिला पर्यटक पर भी बंदर ने हमला कर दिया था। हमले में महिला के हाथ में गंभीर चोट आई थी और खून बहने लगा था। घटना की जानकारी मिलने के बाद एएसआई की टीम मौके पर पहुंची और घायल पर्यटक के लिए एंबुलेंस को सूचना दी गई। हालांकि, बताया गया कि एंबुलेंस को पहुंचने में करीब एक घंटे का समय लग गया। इस दौरान घायल महिला को इलाज के लिए इंतजार करना पड़ा। ताजमहल आगरा ही नहीं, बल्कि भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां हर साल देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में विदेशी पर्यटकों के साथ बार-बार बंदरों के हमले की घटनाएं सामने आने से पर्यटन व्यवस्था पर भी सवाल उठ सकते हैं।

तिरंगा बाइक रैली से गूंजा मथुरा

अधिकारियों ने दिया राष्ट्रभक्ति का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत शुक्रवार को नगर निगम मथुरा-वृंदावन द्वारा भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ भूतेश्वर तिराहा स्थित नगर निगम कार्यालय से जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की मौजूदगी में किया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त ओजस्वी राज, डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल, क्षेत्राधिकारी नगर आशना चौधरी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण के सचिव आशीष कुमार सिंह, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी सहित नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। तिरंगा बाइक रैली नगर निगम कार्यालय



से शुरू होकर भूतेश्वर तिराहा, डीग गेट, गोविंद नगर थाना, श्रीकृष्ण जन्मस्थान, रामलीला मैदान, महाविद्या कॉलोनी, मसानी चौराहा, बिरला मंदिर, टीएफसी तिराहा, वृंदावन 100 फुटा रोड, प्रेम मंदिर तिराहा, रमनरेती पुलिस चौकी और वृंदावन परिक्रमा मार्ग सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर निकली। रैली का समापन टैंक चौराहा स्थित योद्धा चौक पर हुआ। इस दौरान अधिकारियों ने नागरिकों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रभक्ति से जुड़े कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

पृष्ठ 01 का शेष...

'1947 कत्लेआम...

करोड़ों हिंदुओं को अपनी मातृभूमि से विस्थापित होना पड़ा था। लाखों की संख्या में हिंदू, बौद्ध, सिख, जैनों का कत्लेआम हुआ। सत्ता प्राप्त करने की भूख इस हद तक थी कि सनातन राष्ट्र के टुकड़े कर दिए गए। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे योगी ने कहा- कांग्रेस ने देश के साथ विश्वासघात किया। 1947 में वे मौन थे और किसी भी तरह सत्ता पाना चाहते थे। उनकी आज भी यही मंशा है। ये फिर दंगा करवाना चाहते हैं। जिसने मुजफ्फरनगर और सहारनपुर के दंगाइयों को सीएम आवास पर लाकर सम्मानित करवाया, ऐसे व्यक्ति के समर्थन में ये लोग दलीलें दे रहे हैं। इनकी शर्मनाक सोच को देखिए। दरअसल, 2 दिन पहले शिवपाल यादव ने रामपुर जेल में बंद आजम खान से मुलाकात के बाद कहा था- सपा सरकार बनने पर आजम खान को गृहमंत्री बनाएंगे। उन पर हुए हर जुल्म का बदला लेंगे। इससे पहले, भाजपा ने लखनऊ में मौनव्रत पदयात्रा निकाली। सीएम योगी मास्क लगाकर पैदल चले। सीएम ने कहा- देश के गुलाम होने के दो बड़े कारण थे। पहला, आपसी मतभेद और दूसरा, जाति-क्षेत्र के आधार पर बंटवारा। इन मतभेदों के साथ साजिशें भी होती रहीं और साजिश करने वाले सफल हुए। नतीजा यह हुआ कि देश गुलाम हो गया। हम एकजुट होकर लड़ नहीं पाए। लोगों को लगता था कि हमला किसी दूसरे पर हो रहा है, मैं क्यों बोलूं? इसका खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ा। सनातन काल से एक रहे भारत के भी टुकड़े कर दिए गए। सीएम ने कहा- मैं भौचक था, जब प्रधानमंत्री नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (CAA) लेकर आए। एक्ट का विरोध करने का कोई औचित्य नहीं था, लेकिन एक्ट का प्रावधान था कि अगर अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से हिंदू, जैन, बौद्ध, पारसी या ईसाई निकाला गया है और उसे भारत में रहते हुए 5 साल हो गए हैं, तो हम उसे नागरिकता देंगे। इसमें कहीं भी मुसलमान, कांग्रेस या समाजवादी पार्टी की जमीन लेने की बात नहीं कही गई थी, लेकिन देश के अंदर आंदोलन करने के प्रयास हुए। लखनऊ, कानपुर, मेरठ, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर में जगह-जगह दंगे करने के प्रयास हुए। कृपा थी कि उत्तर प्रदेश में डबल इंजन की सरकार थी। अगर सपा की सरकार होती तो प्रदेश दंगों से कभी उबर नहीं पाता। मैं ये नहीं समझ पा रहा था कि ये लोग विरोध क्यों कर रहे थे? आखिर विरोध का कारण क्या है? उस विरोध को सपा और कांग्रेस पीछे से समर्थन दे रहे थे। आजम खान ने साल 2005 में जौहर यूनिवर्सिटी बनवाई थी। इसका नाम स्वतंत्रता सेनानी मौलाना मोहम्मद अली जौहर के नाम पर रखा गया है। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के विरोध में कई आंदोलनों की शुरुआत की थी। मोहम्मद अली जौहर मुस्लिम लीग और कांग्रेस, दोनों के अध्यक्ष रहे थे। भारत की आजादी के बाद उनके परिवार के ज्यादातर लोग पाकिस्तान चले गए थे। 15 जुलाई को रामपुर डीएम ने यूनिवर्सिटी की 40 में से 38 इमारतों को ढहाने का आदेश दिया था। हालांकि, मुरादाबाद के कमिश्नर आन्जनेय सिंह की कोर्ट ने रामपुर डीएम के आदेश पर रोक लगा दी थी। अभी मामला कोर्ट में चल रहा है। सीएम योगी ने कहा- सिंधियों, पंजाबियों की जमीन को पाकिस्तान के हवाले किया। बांग्लादेश बॉर्डर पर कभी जाइए आप लोग। देखिए कि कैसे हिंदू गांवों को बांग्लादेश के हवाले कर दिया गया। आपने कुछ दिन पहले बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों को देखा होगा। इनको लगता था कि कहीं वहां की घटना में बोल देंगे तो यहां वोट बैंक गड़बड़ हो जाएगा। उनके लिए दलित हिंदुओं का वोट मायने नहीं रखता।

मेरी टिप्पणी का...

कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत मई 2026 में हुई थी। यह शुरुआत किसी पारंपरिक राजनीतिक पार्टी की तरह नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर हुई। दीपके ने "कॉकरोच" शब्द को ही विरोध के प्रतीक में बदल दिया। सोशल मीडिया पर CJP का प्लेटफॉर्म बनाया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में युवा इससे जुड़ गए। NEET और दूसरी परीक्षाओं में गड़बड़ी, शिक्षा व्यवस्था और बेरोजगारी जैसे मुद्दे पर आंदोलन शुरू किया। 20 जून से 25 जुलाई तक आंदोलन चला। CJI सूर्यकांत बोले संविधान देश की सबसे बड़ी ताकत है। इसकी मूल संरचना की रक्षा करना और उसे मजबूत बनाए रखना न्यायपालिका की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है। न्यायपालिका संविधान की संरक्षक है। यह किसी पक्ष या विपक्ष के लिए फैसला नहीं करती, बल्कि संवैधानिक मूल्यों के आधार पर निर्णय लेती है।

आजादी के बाद...

माता-पिता की जानकारी भी दर्ज होगी। इस हिस्से में दिव्यांगता, मातृभाषा और दूसरी भाषाएं, साक्षरता और डिजिटल साक्षरता की जानकारी ली जाएगी। साथ ही शैक्षणिक संस्थान में पढ़ाई की स्थिति और उच्चतम शैक्षणिक योग्यता, स्ट्रीम या विषय पूछा जाएगा। व्यक्ति ने पिछले एक साल में काम किया या नहीं, उसकी आर्थिक गतिविधि, व्यवसाय और काम का क्षेत्र पूछा जाएगा। इसके अलावा कामगार की श्रेणी, गैर-आर्थिक गतिविधि, काम की तलाश या उपलब्धता और काम की जगह तक आने-जाने की जानकारी भी ली जाएगी। इस सेक्शन में जन्म स्थान, पिछला निवास स्थान, माइग्रेशन का कारण और वहां रहने की अवधि पूछी जाएगी। स्थायी निवास का पता भी दर्ज होगा। महिलाओं से जीवित बच्चों, अब तक जन्मे बच्चों और पिछले एक साल में जन्मे बच्चों की संख्या भी पूछी जाएगी। इसमें कोविड-19 वैक्सीन कहां लगवाई, कुल बैंक अकाउंट और मोबाइल नंबर पूछा जाएगा। साथ ही आधार नंबर, वोटर ID, पासपोर्ट नंबर और ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध है या नहीं इसकी जानकारी भी ली जाएगी। जनगणना 2027 देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। डेटा डिजिटल माध्यम से दर्ज किया जाएगा और लोगों को खुद अपनी जानकारी देने यानी सेल्फ-एन्यूमरेशन का विकल्प भी मिलेगा। जनगणना की कानूनी प्रक्रिया सेंसस एक्ट, 1948 और सेंसस रूल्स, 1990 के तहत होगी। केंद्र के मुताबिक, लोगों की दी गई व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। सेंसस एक्ट की धारा 15 के तहत इसे सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, RTI के तहत नहीं दिया जा सकता और किसी कोर्ट में सबूत के तौर पर भी इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जनगणना पहले 2021 में होने वाली थी। इसे कोरोना महामारी के कारण टाल दिया गया था। कांग्रेस सांसद जयराम रमेशः उम्मीद थी कि जाति से जुड़ा सवाल पहले से तैयार राज्य-वार लिस्ट के आधार पर पूछा जाएगा, जैसा बिहार और तेलंगाना में जाति सर्वे के दौरान हुआ था, जहां जवाब को बस सही जगह पर टिक करना होता था। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ, जिससे सरकार की नीयत पर गंभीर शक पैदा होता है। केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 के लिए 11,718.24 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दी है। जनगणना पूरे देश में केंद्र के समन्वय से होगी। राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारें इसके क्रियान्वयन में मदद करेंगी।

आरजी कर केस में...

पूर्व TMC विधायक निर्मल घोष सहित 3 आरोपियों पर जल्दबाजी में डॉक्टर का अंतिम संस्कार करवाने का आरोप है। पुलिस ने 13 अगस्त को निर्मल घोष और संजीब मुखर्जी को ओडिशा के बालासोर से गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी पीड़ित के पिता की नई शिकायत के बाद हुई। उन्होंने 10 अगस्त को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसे बाद में FIR में बदल दिया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि तत्कालीन पानीहाटी विधायक निर्मल घोष ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए उनकी बेटी के शव का परिवार की इच्छा के खिलाफ जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कराया। पीड़िता के माता-पिता का आरोप है कि अंतिम संस्कार इतनी जल्दी कराया गया कि दोबारा पोस्टमॉर्टम की संभावना खत्म हो गई, जिससे रेप और हत्या से जुड़े अहम सबूत सामने आने से रोके जा सकते थे।

वीवीएस लक्ष्मण को मिल सकती है जिम्मेदारी, गौतम-अगरकर 2027 वर्ल्डकप तक बने रहेंगे

बीसीसीआई में पहली बार बनेगा डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद

तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

BCCI भारतीय क्रिकेट के पूरे सिस्टम को एक साथ जोड़ने की तैयारी में है। बोर्ड पहली बार डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद बनाने जा रहा है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) के प्रमुख VVS लक्ष्मण को यह जिम्मेदारी मिल सकती है। इसके लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट 2 साल बढ़ाने की तैयारी है। नई भूमिका में लक्ष्मण जूनियर क्रिकेट से लेकर सीनियर टीम तक के बीच तालमेल देखेंगे। खिलाड़ियों के रिहैब, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की नियुक्ति के साथ मेन्स और विमेंस क्रिकेट की निगरानी भी करेंगे।



नई व्यवस्था में गौतम गंभीर हेड कोच और अजीत अगरकर मुख्य चयनकर्ता बने रहेंगे। दोनों की मौजूदा जिम्मेदारियों में बदलाव नहीं होगा। 2027 वर्ल्ड कप तक इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। अगरकर का मौजूदा कार्यकाल सितंबर में खत्म होना है।

गौतम गंभीर के कोचिंग भविष्य को लेकर भी हाल के महीनों में चर्चा हुई है। खासकर टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया के प्रदर्शन और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) में स्थिति को लेकर सवाल उठे हैं। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज को गंभीर के रेड-बॉल क्रिकेट के भविष्य के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

लक्ष्मण अब तक CoE में जूनियर भारतीय टीमों, खिलाड़ियों के रिहैब और टैलेंट डेवलपमेंट से जुड़े काम देखते रहे हैं। नई भूमिका में उनके पास कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की नियुक्तियों की जिम्मेदारी भी होगी।



एक पद से जुड़ेगा पूरा क्रिकेट सिस्टम

BCCI में अभी सीनियर टीम, चयन समिति, CoE और एज-ग्रुप क्रिकेट अलग-अलग स्तर पर काम करते हैं। डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट का पद इन सभी के बीच तालमेल बनाने के लिए होगा।लक्ष्मण की जिम्मेदारी टैलेंट की पहचान से लेकर उसे सीनियर टीम तक तैयार करने की प्रक्रिया देखने की होगी। वे अलग-अलग स्तर के कोच और सपोर्ट स्टाफ के काम में भी तालमेल बनाएंगे।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे क्रिकेट देशों में डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की भूमिका रणनीतिक होती है। यह पद टीम की की योजना, प्लेयर्स डेवलपमेंटया की निगरानी करता है।

इगा स्वियातेक ने नेशनल बैंक ओपन का खिताब जीता

रायबकिना को 6-2, 6-3 से हराया इस साल की पहली ट्रॉफी

नई दिल्ली, एजेंसी



पोलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने गुरुवार को टोरंटो में नेशनल बैंक ओपन का फाइनल जीता। उन्होंने दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबकिना को 6-2, 6-3 से हराकर इस साल का पहला WTA टूर खिताब जीता।

यह उनके करियर का 26वां खिताब है। 7वीं वरीयता प्राप्त स्वियातेक ने मैच की शुरुआत में ही दूसरी वरीयता प्राप्त रायबकिना की सर्विस ब्रेक कर दी। इसके बाद उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए पहला सेट 29 मिनट में 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में स्कोर 2-2 से बराबर था, तभी स्वियातेक ने रायबकिना की सर्विस फिर ब्रेक कर दी। इसके बाद उन्होंने अपनी सर्विस पर नियंत्रण बनाए रखा और सेट 6-3 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। नेशनल बैंक ओपन का खिताब जीतने के बाद स्वियातेक WTA रैंकिंग में 2 स्थान ऊपर चढ़कर 5वें नंबर पर पहुंचेंगी। फाइनल में हारने के बावजूद रायबकिना दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी बनी रहेंगी।

खिताब जीतने के बाद स्वियातेक ने कहा कि वह मुकाबले के दौरान पूरी तरह फोकस थीं। उन्होंने बताया कि वह मैच को शारीरिक स्तर पर खेलना चाहती थीं और लगातार दबाव बनाए रखना चाहती थीं।

महिला डबल्स फाइनल में कतेरीना सिनीयाकोवा और शुआई झांग की जोड़ी ने सारा एरानी और निकोल मेलिचार-मार्टिनेज की जोड़ी को 6-3, 6-4 से हराकर खिताब जीता।

53 साल से पद्मश्री का इंतजार कर रहे फारुख इंजीनियर

1973 में अखबार में नाम छपा था बीसीसीआई सरकार को पत्र लिखेगा

नई दिल्ली, एजेंसी



पूर्व भारतीय विकेटकीपर फारुख इंजीनियर को पद्मश्री मिलने का इंतजार 53 साल बाद भी खत्म नहीं हुआ है। 88 साल के इंजीनियर के मुताबिक, 1973 में अखबारों के जरिए उन्हें पता चला था कि सरकार ने उन्हें पद्मश्री के लिए चुना है। उस समय वे इंग्लैंड में भारतीय टीम के साथ खेल रहे थे।

टीम मैनेजर हेमू अधिकारी ने भी उन्हें इसकी जानकारी दी थी। लेकिन इसके बाद उन्हें सरकार की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली। न मेडल मिला और न ही प्रमाणपत्र। पद्म पुरस्कार की वेबसाइट पर इंजीनियर का नाम 1973 के पद्मश्री सम्मान पाने वालों में दर्ज है। हालांकि, इसके बाद पुरस्कार उन तक क्यों नहीं पहुंचा। इसकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। अब इस मामले में BCCI सरकार को पत्र लिखने की तैयारी कर रहा है। इंजीनियर ने हाल में ICC चेयरमैन जय शाह से भी इस मामले में मदद मांगी थी। उन्होंने बताया कि पिछले महीने जय शाह ने उनकी मदद करने का भरोसा दिया। इससे पहले उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली से भी इस मामले में मदद मांगी थी।

इंजीनियर बोले- मेडल ट्रॉफी कैबिनेट में रखूंगा

इंजीनियर इंग्लैंड में रहते हैं, लेकिन कहते हैं कि भारत उनके दिल में है। उनका कहना है कि वे पद्मश्री को अपने घर की ट्रॉफी कैबिनेट में रखना चाहते हैं और राष्ट्रपति भवन जाकर राष्ट्रपति के हाथों सम्मान लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में उनके और क्लाइव लॉयड के नाम पर स्टैंड हैं, लेकिन राष्ट्रपति भवन में पद्मश्री लेना उनके लिए उससे भी बड़ा सम्मान होगा।

टी-ब्रेक तक स्कोर-286/3, ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 198 पर सिमटी

तंजिद ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 198 रन पर समेटने के बाद बांग्लादेश ने दूसरे दिन भी अपना दबदबा बनाए रखा है।

डार्विन क्रिकेट ग्राउंड पर बांग्लादेश ने टी-ब्रेक तक 286/3 रन बना लिए हैं। टीम की बढ़त 88 रन हो चुकी है।

ओपनर तंजिद हसन तमीम ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर टेस्ट सेंचुरी लगाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज बने। तंजिद ने 188 गेंद में अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया और आउट होने से पहले 197 गेंद पर 101 रन बनाए। इसमें 8 चौके और एक छक्का शामिल था।

तंजिद के आउट होने के बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 79 रन बनाकर क्रीज पर हैं, जबकि मुशफिकुर रहीम 26 रन पर उनका साथ दे रहे हैं। इससे पहले तंजिद और मोमिनुल हक ने दूसरे विकेट के लिए 102 रन की साझेदारी की थी। मोमिनुल 49 रन बनाकर जोश हेजलवुड की बॉल पर आउट हुए। मोमिनुल 49 रन पर हेजलवुड की गेंद पर एलेक्स कैरी को कैच दे बैठे, लेकिन तंजिद ने अपनी पारी जारी रखी और शांतो के साथ मिलकर बांग्लादेश को ऑस्ट्रेलिया के स्कोर से आगे पहुंचा दिया। तंजिद 101 रन बनाकर नाथन लियोन की गेंद पर मिचेल स्टार्क को कैच दे बैठे।



ऑस्ट्रेलिया को 198 रन पर समेटने के बाद बांग्लादेश के सामने चुनौती थी कि वह अपनी पारी को मजबूत बनाए। शुरुआत में शादमान इस्लाम 20 रन बनाकर मिचेल स्टार्क की गेंद पर आउट हुए और बांग्लादेश का स्कोर 36/1 हो गया। इसके बाद तंजिद ने मोमिनुल हक के साथ पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 102 रन जोड़े।



तंजिद का दूसरा शतक

तंजिद ने 188 गेंदों में शतक पूरा किया। वह ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले बांग्लादेश के पहले बल्लेबाज बने। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में बांग्लादेश के किसी बल्लेबाज का सबसे बड़ा स्कोर हन्नान सरकार का 76 रन था। यह उन्होंने 2003 में केर्न्स में बनाया था। तंजिद ने सिर्फ अपने दूसरे टेस्ट में यह रिकॉर्ड तोड़ दिया।

तंजिद का 101 रन का स्कोर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेशी बल्लेबाज का सिर्फ दूसरा टेस्ट शतक भी है। इससे पहले शाहियार नफीस ने 2006 में फातुल्लाह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 138 रन बनाए थे।

तंजिद हसन तमीम बांग्लादेश के बाएं हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज हैं। उनका जन्म 1 दिसंबर 2000 को बोगरा, बांग्लादेश में हुआ था। वे 2020 में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली बांग्लादेशी टीम का हिस्सा रहे।

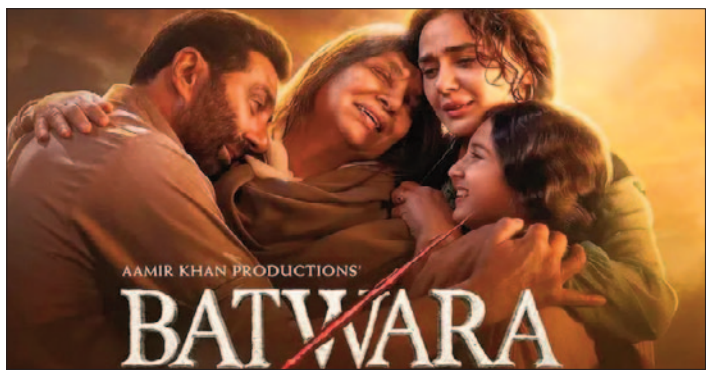
मनोरंजन

बंटवारा 1947 पर दर्शकों ने दी अपनी राय, एक्स पर शेयर किए फिल्म को लेकर रिव्यू

सनी देओल की बेस्ट परफॉर्मेंस शबाना आजमी फिल्म की जान

नई दिल्ली, एजेंसी

सनी देओल और राजकुमार संतोषी की फिल्म 'बंटवारा 1947' आज, 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म को देखकर दर्शकों ने X पर अपनी राय भी शेयर कर दी है। आइए देखते हैं एक्स पर इसे कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है। शुरुआती प्रतिक्रियाओं में फिल्म की इमोशनल कहानी, किरदारों और एक्टिंग की तारीफ की गई है, और कई दर्शकों ने सिकंदर के रोल में सनी देओल (Sunny Deol) के काम को खास तौर पर सराहा है।



एक्स पर फिल्म को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'सनी देओल के करियर की बेस्ट परफॉर्मेंस, मैंने कुछ और उम्मीद की थी लेकिन इस फिल्म ने मेरी राय ही बदल दी। इसे देखने के बाद मुझे समझ आया कि ये असल में कितनी अलग और पावरफुल है'। एक ने कमेंट किया, 'आजादी ने देश को उसका भविष्य दिया, लेकिन बंटवारे ने अनगिनत घर और बचपन छीन लिए। बंटवारा 1947 गर्व और शोक, दोनों के लिए जगह बनाती है'। एक यूजर ने कमेंट किया, 'मुझे यह बात अच्छी लगी कि Batwara1947 ने मुझे इमोशनल करने से पहले असहज महसूस कराया। फिल्म के पहले हिस्से में सिकंदर और हमीदा ने जो फैसले लिए, उनसे मुझे झुंझलाहट हुई।

शबाना आजमी ने किया सरप्राइज

कई दर्शकों ने 'बंटवारा 1947' (Batwara 1947) को परिवार के साथ देखने लायक एक इमोशनल फ़िल्म बताया है। एक दर्शक ने इसे पूरी तरह से फैमिली मूवी कहा और माता-पिता को थिएटर ले जाने की सलाह दी। यूजर ने शबाना आजमी (Shabana Azmi) के किरदार की भी तारीफ की और कहा कि यह फिल्म खासकर महिलाओं को पसंद आ सकती है।

> **1947 के बंटवारे के समय लाहौर पर आधारित 'बंटवारा 1947' उस उथल-पुथल के असर को दिखाती है, जो डर, विस्थापन और अनिश्चितता के दौर में फंसे आम लोगों की जिंदगी पर पड़ा। सनी देओल ने सिकंदर का और शबाना आजमी ने माई का किरदार निभाया है। फिल्म में प्रीति जिंटा ने हमीदा की भूमिका निभाई है।**

19 साल पुराना दर्द लेकर लौटा 'शिवम पंडित'

नई दिल्ली, एजेंसी

2007 में आई कल्ट क्लासिक फिल्म आवारापन (Awarapan) का सीक्वल 19 साल बाद आखिरकार सिनेमाघरों में पहुंच गया है। 14 अगस्त को बंटवारा 1947 (Batwara 1947) के साथ बड़े पर्दे पर पहुंची इमरान हाशमी (Emraan Hashmi) की इस फिल्म के साथ दर्शकों को काफी उम्मीद थी।

क्या वाकई आवारापन 2 दर्शकों की उम्मीद पर खरी उतर पाई या नहीं, पहला दिन और पहला शो देखते ही ऑडियंस ने अपना फैसला सुना दिया है।

फिल्म की कहानी और सीन्स इतने तगड़े बताए जा रहे हैं कि दर्शक शायद बोर न हो। एक यूजर ने कहा कि शुरू के 20 मिनट बहुत इंगेजिंग हैं। यूजर ने लिखा, ₹भाई शुरू के 20 मिनट ही इतने इंगेजिंग है आप इमोशनली शिवम पंडित के साथ कनेक्ट हो जाओगे। आवारापन 2 में इमरान हाशमी की वापसी हुई है, जबकि लीड रोल में दिशा पाटनी और शबाना आजमी भी हैं। ऑडियंस का कहना है कि शिवम पंडित के रूप में लौटे इमरान के कंधों पर पूरी फिल्म है। वहीं, दिशा फिल्म में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। एक यूजर ने डायरेक्शन को कमजोर बताया है। कहा, ₹शिवम पंडित ने फैन-सर्विस और नॉस्टेल्जिया का सही इस्तेमाल किया है। इमरान हाशमी को आखिरकार एक ऐसी फिल्म और किरदार मिला है जो आम लोगों से जुड़ता है। आवारापन 2 की कहानी फैन्स की पसंदीदा सुपर-हिट फिल्म जैसा अनुभव देती है, लेकिन डायरेक्शन और एक्शन कोरियोग्राफी कमजोर है।



संजय दत्त के क्लब में बजने वाले गानों पर विवाद

बिना इजाजत बज रहे कॉपीराइट वाले गाने

नई दिल्ली, एजेंसी

पुणे में एक्टर संजय दत्त के नाइटक्लब Ballr पर कॉपीराइट विवाद खड़ा हो गया है। क्लब में बिना इजाजत कॉपीराइट वाले गाने बजाए जा रहे थे। फोनोग्राफिक परफॉर्मेंस लिमिटेड (PPL) इंडिया ने बॉम्बे हाई कोर्ट में शिकायत की कि क्लब में बिना लाइसेंस कॉपीराइट म्यूजिक का इस्तेमाल हो रहा है। कोर्ट ने PPL को अंतरिम राहत देते हुए Ballr को जरूरी लाइसेंस के बिना अपने कलेक्शन की साउंड रिकॉर्डिंग सार्वजनिक रूप से बजाने से रोक दिया। PPL के एक प्रतिनिधि ने 24 जून को Ballr का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने क्लब में PPL के कलेक्शन के कई कॉपीराइट वाले गाने बजते हुए पाए। Ballr के मालिक एक्टर संजय दत्त और हेरंब शेलके हैं। इन गानों में 'बदतमीज दिल', 'मौजा ही मौजा', 'दर्द-ए-डिस्को', 'ओ साकी साकी' और 'दस बहाने' शामिल हैं।



क्लब में बजाए जा रहे गानों की लिस्ट में इंटरनेशनल सॉन्ग भी शामिल थे। इनमें जस्टिन बीबर का 'व्हाट डू यू मीन' और दुआ लिपा का 'लेविटेटिंग' शामिल है।

PPL का दावा है कि इन सभी साउंड रिकॉर्डिंग का कॉपीराइट उसी संस्था के पास है। 7 अगस्त के आदेश में बॉम्बे हाई कोर्ट ने नाइटक्लब के मालिकों को जरूरी नॉन-एक्सक्लूसिव पब्लिक परफॉर्मेंस लाइसेंस के बिना PPL के कलेक्शन की साउंड रिकॉर्डिंग बजाने या इस्तेमाल करने से रोक दिया।

गुरु रंधावा के नए गाने पर मचा बवाल

'ऑफिस गर्ल्स' के डांस पर ट्रोलिंग, सिंगर का आया रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा (Guru Randhawa) एक बार फिर अपने गाने के लिए चर्चा में आ गए हैं। 'सिर्रा' और 'अजुल' के बाद गुरु रंधावा के नए गाने 'फाइन शिट' (Fine Shyt) पर बवाल मच गया है। गाने के वीडियो और लिरिक्स को इंटरनेट पर आलोचना झेलनी पड़ रही है।

गुरु रंधावा ने हाल ही में यूट्यूब पर अपना नया गाना 'फाइन शिट' (Fine Shyt) रिलीज किया। यह गाना 'ऑफिस थीम' पर बेस्ड था। यूट्यूब पर रिलीज होते ही इस गाने को 13 मिलियन से ज्यादा लोगों ने सुन लिया है। इंटरनेट पर वायरल हो रहे इस गाने को ट्रोलिंग भी मिल रही है। अब गुरु रंधावा ने भी रिएक्शन दिया है।

एक हफ्ते पहले गुरु रंधावा ने अपना नया गाना जारी किया जिसने आते ही सभी का ध्यान खींचा। इसकी वजह वीडियो में दिखाए गए ऑफिस महिला कर्मचारियों का बर्ताव, अजीब डांस और गाने की लिरिक्स। सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि महिलाओं को इस तरह ऑफिस में दिखाया जाना सही नहीं है। प्रेजेंटेशन बहुत खराब है।



> **मालूम हो कि गुरु रंधावा ने इस गाने को गुरजीत गिल के साथ लिखा है और इसकी धुन भी तैयार की है। वहीं, उन्होंने यश्वी देसाई के साथ इसे गाया है। इस गाने को यूट्यूब पर 13 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल गए हैं।**

ट्रोलिंग पर गुरु रंधावा का रिएक्शन

गुरु रंधावा ने लगातार सोशल मीडिया पर मिल रही ट्रोलिंग को लेकर रिएक्शन दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, SISU माइंडसेट और मूव्स और उन सभी से कहो कि मेरे खिलाफ कोई नई स्ट्रेटेजी बनाएं। ये वाली काम नहीं आई। मैं अपने रास्ते पर हूं। एक बनाम सब। पगानी की तरह रेयर (खास)। 2025 मेरा था, 2026 मेरा है और बाकी के साल भी मेरे ही होंगे। बेहतरीन चीज।

गटर छाप जनरेशन वाले बयान पर कंगना रनोट की सफाई

मुंबई। अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनोट ने 'जेन जी' (Gen Z) युवाओं पर अपने विवादित बयान पर सफाई दी है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर कर दावा किया कि जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में पूरे देश के युवा शामिल नहीं थे। वहां जुटी 10 हजार की भीड़ में आधे युवा थे, जबकि बाकी शबाना आजमी की उम्र के लोग थे। कंगना ने कहा कि उनका इरादा पूरी पीढ़ी को 'गटर छाप' कहने का नहीं था और उन पर युवा-विरोधी होने का झूठा एजेंडा चलाया जा रहा है। कंगना रनोट ने वीडियो में कहा कि देश में जेन जी की आबादी लगभग 30 से 35 करोड़ है। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन में केवल 10 हजार के करीब लोग मौजूद थे। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन स्थल पर हर उम्र के लोग घूम रहे थे और आधे से ज्यादा भीड़ शबाना आजमी की उम्र की थी। कंगना ने चुनौती देते हुए कहा कि कोई उनका ऐसा बयान दिखाए जिसमें उन्होंने पूरी युवा पीढ़ी को निशाना बनाया हो।

अंबेडकरनगर में कैबिनेट मंत्री ने जलालपुर की सड़कों की बदहाली पर जताई चिंता, बोले- क्षेत्र में जाकर सुनें जनता की परेशानी

चुनाव जीतकर गायब रहने से नहीं चलेगा काम : राजभर

दौरा

- राजभर का जनप्रतिनिधियों पर निशाना
- एनडीए की दोबारा सरकार बनने का दावा
- पेंशन और किसान सम्मान निधि पर सरकार का पक्ष रखा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर शुक्रवार को अंबेडकरनगर पहुंचे। सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। जलालपुर क्षेत्र में सड़कों की खराब स्थिति का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने सांसदों और विधायकों से नियमित रूप से अपने क्षेत्रों का दौरा करने की बात कही। राजभर ने कहा कि पेंशन, किसान सम्मान निधि और आवास जैसी योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई है। इससे पात्र लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने पेंशन का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले 500 रुपये की पेंशन में बिचौलियों द्वारा हिस्सा लेने की शिकायतें आती थीं। अब पेंशन की राशि बढ़ाकर एक हजार रुपये की गई है। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि के तहत छह हजार रुपये भी सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजे जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य जरूरतमंद परिवारों तक पक्का घर, शौचालय, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है।

> आगामी चुनाव को लेकर राजभर ने कहा कि एनडीए पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। उन्होंने दावा किया कि एनडीए फिर सरकार बनाएगा।
> उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को भी गिनाया। राजभर ने कहा कि पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में योजनाओं की धनराशि सीधे पहुंचाई जा रही है।

जलालपुर की सड़कों पर उठाए सवाल

मंत्री ने जलालपुर क्षेत्र की सड़कों की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में कई जगह रास्ते इतने खराब हैं कि लोगों को साइकिल चलाने में भी परेशानी होती है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत बताई। राजभर ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों की जानकारी के लिए मौके पर पहुंचना जरूरी है।



राजभर के बयान से सियासी संदेश

अंबेडकरनगर दौरे में राजभर ने एक ओर सरकार की योजनाओं को उपलब्धि के रूप में रखा, वहीं दूसरी ओर स्थानीय सड़कों और जनप्रतिनिधियों की सक्रियता का मुद्दा उठाया। जलालपुर की सड़कों को लेकर उनकी टिप्पणी स्थानीय विकास कार्यों पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के स्तर पर ध्यान देने का संदेश देती है।

'चुनाव के समय नहीं, पूरे कार्यकाल जनता के बीच रहें'

ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि जनप्रतिनिधियों का काम केवल चुनाव के समय जनता के बीच जाना नहीं है। उन्हें पूरे कार्यकाल में क्षेत्र का भ्रमण करना चाहिए। गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुननी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में नियमित भ्रमण होगा तो सड़कों समेत अन्य समस्याओं की वास्तविक जानकारी मिलेगी। इसके बाद उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं।

अफजलपुर के जवाहर नवोदय विद्यालय का निरीक्षण

नवोदय विद्यालय पहुंचीं एसडीएम परखी व्यवस्था

साफ-सफाई और सुविधाओं पर जताया संतोष

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विद्यार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं और विद्यालय की व्यवस्थाओं की हकीकत जानने के लिए उपजिलाधिकारी अकबरपुर प्रतीक्षा सिंह ने शुक्रवार को जवाहर नवोदय विद्यालय, अफजलपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में छात्रावास, मेस, कक्षों और मेडिकल रूम समेत विभिन्न व्यवस्थाओं को मौके पर देखा। निरीक्षण की शुरुआत छात्रावासों से हुई। एसडीएम ने बालिका और बालक छात्रावास की व्यवस्थाएं देखीं। विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था, परिसर की स्थिति और साफ-सफाई का जायजा लिया।

इसके बाद उन्होंने मेस का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्था देखी।



विद्यालय के कक्ष-कक्षों और मेडिकल रूम की स्थिति भी जांची। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और साफ-सफाई की स्थिति पर एसडीएम ने संतोष जताया। उन्होंने विद्यालय प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। एसडीएम ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए विद्यालय में उपलब्ध व्यवस्थाएं संतोषजनक और सुव्यवस्थित हैं। उन्होंने परिसर में मौजूद विभिन्न सुविधाओं को देखा और संबंधित कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने एसडीएम को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। छात्रावास, मेस, कक्षों और मेडिकल रूम से संबंधित व्यवस्थाओं को मौके पर देखा गया।

एसडीएम के निरीक्षण के बाद विद्यालय प्रशासन ने उपलब्ध व्यवस्थाओं और सुविधाओं की जानकारी साझा की।

तिरंगे के साथ सड़कों पर उतरी पुलिस

स्वतंत्रता दिवस से पहले एसपी प्राची सिंह के नेतृत्व में पुलिस लाइन से अकबरपुर कोतवाली तक निकली तिरंगा यात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। स्वतंत्रता दिवस से पहले शुक्रवार को अंबेडकरनगर पुलिस ने तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में निकली यात्रा में पुलिसकर्मी हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए। इस दौरान मार्ग पर देशभक्ति के नारे गूंजते रहे।

यात्रा के दौरान पुलिसकर्मियों के हाथों में तिरंगा नजर आया। पूरे रास्ते भारत माता की जय, वंदे मातरम्, जय हिंद और हर घर तिरंगा के नारे लगाए गए। तिरंगे के साथ पुलिसकर्मियों की यह यात्रा लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रही।

पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश की एकता के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा के माध्यम से अंबेडकरनगर पुलिस ने जिलेवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। साथ ही राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा, सम्मान और मर्यादा बनाए रखने का संदेश दिया। पुलिस की ओर से कहा गया कि तिरंगा देश की एकता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।



> पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा के जरिए स्वतंत्रता दिवस से पहले जिले में राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया गया। पुलिस की ओर से लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में सहभागी बनने और राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखने की अपील की गई।

पुलिस लाइन से शुरू हुई यात्रा, अकबरपुर कोतवाली में हुआ समापन

तिरंगा यात्रा सुबह 9:30 बजे पुलिस लाइन गेट से शुरू हुई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के नेतृत्व में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तिरंगा लेकर आगे बढ़े। यात्रा पुलिस लाइन से निकलकर कोतवाली अकबरपुर पहुंची, जहां इसका समापन किया गया।

यात्रा में क्षेत्राधिकारी नगर नीतीश कुमार तिवारी, प्रतिसार निरीक्षक संतोष कुमार, प्रभारी निरीक्षक अकबरपुर कोतवाली संतोष कुमार सिंह और यातायात प्रभारी जयबहादुर यादव समेत पुलिस कार्यालय, यातायात पुलिस और अन्य पुलिसकर्मी शामिल हुए।



विभाजन की पीड़ा से सीख लेकर एकता मजबूत करने का आह्वान

भाजपा की विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस गोष्ठी में वक्ताओं ने रखा विचार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भारत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भाजपा की ओर से गोष्ठी आयोजित की गई। भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम का संयोजन और संचालन विकास मोदनवाल ने किया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र कन्नौजिया रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने की।

मुख्य अतिथि रामचंद्र कन्नौजिया ने कहा कि 1947 का विभाजन देश के इतिहास का बेहद पीड़ादायक अध्याय रहा। विभाजन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापन और हिंसा का सामना करना पड़ा। कई परिवारों को अपने घर और संपत्ति छोड़नी पड़ी।



उन्होंने कहा कि विभाजन का असर केवल देश की सीमाओं तक नहीं रहा, बल्कि इससे लोगों के परिवार और सामाजिक जीवन भी प्रभावित हुए। नई पीढ़ी को विभाजन से जुड़े इतिहास और उसके प्रभावों की जानकारी मिलनी चाहिए, ताकि वह इसके कारणों और परिणामों को समझ सके।

भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस राष्ट्र की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता के महत्व की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि जाति, पंथ, भाषा और क्षेत्र के भेद से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने की जरूरत है। उन्होंने समाज में भाईचारा और सद्भाव मजबूत करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि विभाजन की घटनाओं से सीख लेते हुए एकजुट समाज के निर्माण की दिशा में काम किया जाना चाहिए।

गोष्ठी के बाद मुख्य अतिथि रामचंद्र कन्नौजिया और भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मौन जुलूस निकाला। जुलूस भाजपा जिला कार्यालय से शुरू होकर पटेल तिराहे तक पहुंचा। जुलूस में कार्यकर्ताओं ने विभाजन के दौरान प्रभावित लोगों की स्मृति को नमन किया। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया।

छात्राओं को निवेश और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के बताए तरीके

एनएसई के डिप्टी मैनेजर ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में शुक्रवार को वित्तीय जागरूकता विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। वाणिज्य विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को बचत, निवेश, वित्तीय प्रबंधन और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के संरक्षक एवं प्राचार्य प्रो. अरविंद कुमार वर्मा के निर्देशन में हुआ। वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण कांत गौतम और प्रो. नंदन सिंह ने संयोजन किया। प्राचार्य ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित और माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

मुख्य वक्ता ऐश्वर्य जैन, डिप्टी मैनेजर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, वाराणसी क्षेत्र ने वित्तीय जागरूकता के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वित्तीय जागरूकता केवल पैसे कमाने या बचाने तक सीमित नहीं है। इसमें धन का सही प्रबंधन, निवेश और भविष्य के जोखिमों से सुरक्षा की समझ भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वित्तीय प्रबंधन की जानकारी अनावश्यक खर्च, कर्ज और क्रेडिट कार्ड से जुड़ी समस्याओं से बचाने में मदद करती है। निवेश के विभिन्न विकल्पों की जानकारी होने से व्यक्ति अपनी जरूरत और क्षमता के अनुसार बेहतर निर्णय ले सकता है।



ऐश्वर्य जैन ने बताया कि लंबे समय तक केवल बैंक खाते में पैसा रखने से महंगाई के कारण उसकी वास्तविक क्रय शक्ति प्रभावित हो सकती है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।
सम्पादक : विद्यादेवी
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676